सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 79 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 01 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को फिर बम से उड़ाने की धमकी, देर रात फोन कॉल से मचा हड़कंप

अंबाला। छावनी रेलवे स्टेशन को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी देर रात एक अज्ञात फोन कॉल के जरिए दी गई, जिससे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं।सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की टीमों ने स्टेशन पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। प्लेटफॉर्म, पार्किंग क्षेत्र, ट्रेनों और यात्रियों के सामान की बारीकी से तलाशी ली गई। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।पुलिस के अनुसार, धमकी देने वाले कॉल की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है। जीआरपी और आरपीएफकी संयुक्त टीमें फोन करने वाले आरोपी की तलाश में जुटी हुई हैं। स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

डीजीसीए का एअर इंडिया पायलट को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने एअर इंडिया के एक पायलट को तकनीकी खराबी वाला प्लेन उड़ाने के लिए शो-कॉज नोटिस जारी किया है। यह मामला गुरुवार को सामने आया। फ्लाइट एआई-358 और एआई-357 है। डीजीसीए के मुताबिक विमान में पहले से कई तकनीकी खराबियां दर्ज थीं। इसके बावजूद विमान को ऑपरेट किया गया। हालांकि डीजीसीए ने पायलट का नाम नहीं बताया है। यह नोटिस कब भेजा गया, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है। एआई -358 को फ्लाइट के दौरान (लेफ्ट एयर साइकिल मशीन) और पैक मोड से जुड़ी चेतावनी मिली। साथ ही आर2 दरवाजे के पास धुएं जैसी गंध की शिकायत भी हुई। फिर भी विमान ऑपरेट किया गया। इसी सिस्टम से जुड़ी खराबियां पहले की 5 उड़ानों में भी दर्ज की गई थीं।

पुणे में एक उम्मीदवार ने दूसरे का ए-बी फार्म निगल लिया

मुंबई। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव से पहले एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। पुणे में शिवसेना के एक उम्मीदवार पर अपनी ही पार्टी के कैंडिडेट का ए-बी फॉर्म फाड़कर निगल लिया। घटना बुधवार को धनकवड़ी सहकारनगर वार्ड कार्यालय में हुई। बाद में भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में शिवसेना के उम्मीदवार उद्धव कांबले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुणे में वार्ड नंबर 34 के लिए शिवसेना के दो उम्मीदवारों को ए-बी फॉर्म जारी किए गए थे। इसके बाद शिवसेना के उम्मीदवारों कांबले और मच्छिंद्र धवले के बीच तीखी बहस हुई। पुलिस के मुताबिक बहस के दौरान, कांबले ने धवले का ए-बी फॉर्म छीन लिया, उन्हें फाड़ दिया और टुकड़े निगल लिए।

मणिपुर-मिजोरम के 5,800 यहूदियों की होगी घर वापसी

चुराचंदपुर। मणिपुर और मिजोरम में बसे ब्नेई मेनाशे समुदाय (यहूदी) के करीब 5,800 लोगों की इजराइल वापसी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इजराइली कैबिनेट की ओर से ढाई सौ करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दिए जाने के बाद चरणबद्ध तरीके से समुदाय को इजराइल ले जाया जाएगा। 2026 तक समुदाय के 1,200 लोग इजराइल भेजे जाएंगे। जबकि, 2030 तक पूरी 'घर वापसी' का लक्ष्य रखा गया है। पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ियों में बसा यह समुदाय खुद को बाइबिल की 'दस खोई हुई जनजातियों' में से मेनाशे का वंशज मानता है।

नए साल पर लगा महंगाई का झटका, एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही तेल विपणन कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। हालांकि यह बढ़ोतरी सिर्फ 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर तक सीमित रखी गई है, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

तेल कंपनियों ने नए साल के मौके पर कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में करीब 111 रुपये यानी लगभग 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वेबसाइट पर जारी ताजा रेट के मुताबिक दिल्ली में 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 1,691.50 रुपये का हो गया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 1892.50 रुपए प्रति सिलेंडर के दाम हैं।

दिसंबर 2025 में सस्ता हुआ था सिलेंडर

दिसंबर 2025 में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,580.50 रुपए थी। इससे पहले दिसंबर महीने में ही इसकी कीमत 10 रुपये और नवंबर में 5 रुपए घटाई गई थी। अब नए साल की पहली ही तारीख से कीमत बढ़ने के बाद होटल और रेस्त्रां सेक्टर पर लागत बढ़ने का दबाव बन सकता है। तेल कंपनियों के मुताबिक, देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग इसी स्तर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 8 अप्रैल 2025 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत बनी हुई है।

होटल व रेस्त्रां पर पड़ सकता है असर

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल मुख्य रूप से होटल, रेस्त्रां, ढाबों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में किया जाता है। ऐसे में कीमत बढ़ने से खाने-पीने के कारोबार की लागत बढ़ने और उसका असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

नए साल में होंगे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव, राज्यसभा में आएंगे नए चेहरे

नया साल 2026 होने वाला है चुनावी साल, बंगाल-असम-केरल-तमिलनाडू व पुडुचेरी में होंगे चुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नए साल की दस्तक के साथ विधानसभा चुनाव का दौर शुरू हो जाएगा। साल 2026 में ये चुनावी हलचल 2025 के मुकाबले ज्यादा रहेगी। 2026 में भारत में कई अहम चुनाव होने वाले हैं। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके साथ ही राज्यसभा की सीटों के लिए भी चुनाव होना है। राज्य सभा की 73 सीटें खाली हो रही हैं। यानि राज्यसभा में भी नए चेहरे देखने को मिलेंगे।

विधानसभा चुनाव की बात करें तो पश्चिम बंगाल के 294 सीटों पर चुनाव होंगे। यहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सत्ता में है। केरल की 140 सीटों पर चुनाव होंगे। यहां माकपा के नेतृत्व वाला एलडीएफ की सरकार है।

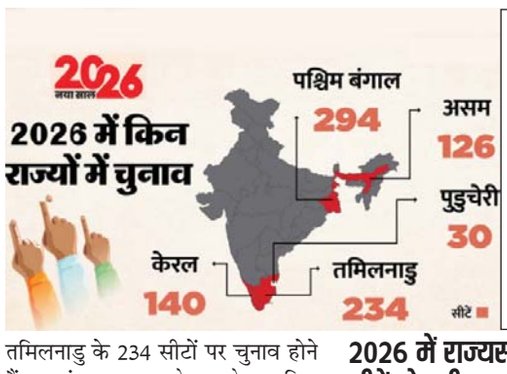

तमिलनाडु के 234 सीटों पर चुनाव होने हैं। यहां पर द्रमुक के एमके स्टालिन सत्ता में हैं। इसी प्रकार असम की 126 सीटों पर भी चुनाव होंगे। यहां भाजपा पिछले 10 साल से सत्ता पर काबिज है। इसके अलावा पुडुचेरी की 30 सीटों पर भी चुनाव होंगे। यहां AINRC-BJP गठबंधन के एन. रंगसामी सत्ता में हैं।

इन सीटों के लिए उप-चुनाव भी होंगे

पश्चिम बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट इस वक्त खाली है। ये सीट टीएमसी के सांसद हाजी नूरूल इस्लाम के निधन की वजह से रिक्त हुई है। इस्लाम की इसी साल 25 सितंबर को निधन हो गया था। यहां भी जल्द ही चुनाव का एलान हो सकता है। इसी तरह कई राज्यों में विधानसभा सीटों को भरने के लिए उपचुनाव भी निर्धारित हैं जो मौजूदा विधायकों के निधन के कारण खाली हुई हैं। इनमें गोवा में पोंडा, कर्नाटक में बागलकोट, महाराष्ट्र में राहुरी, मणिपुर में ताडुबी, और नागालैंड में कोरिडांग सीट शामिल हैं। हालांकि, इन उपचुनावों के लिए आधिकारिक चुनाव तिथियों की घोषणा अभी तक नहीं हुई है।

2026 में राज्यसभा की 73 सीटें हो रही खाली

2026 में अलग-अलग समय पर राज्यसभा की कुल 73 सीटें खाली हो रही हैं। सबसे ज्यादा 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त होगा। इसी तरह जून में 22 सांसदों का कार्यकल खत्म हो रहा है। 11 राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल नवंबर महीने में पूरा होगा। इन 70 सदस्यों के अलावा दो अन्य सदस्यों का कार्यकाल भी 2026 में समाप्त होगा। मिजोरम से एमएएफ के सांसद के. वनलालवेना 19 जुलाई 2026 को रिटायर होंगे। इसके साथ ही एक रिक्त सीट पर भी 2026 में ही चुनाव होगा। इस प्रकार कुल 73 सीटों पर चुनाव होगा।

औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन, छत्तीसगढ़ को और अधिक निवेश अनुकूल बनाने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में महत्वपूर्ण संशोधनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन संशोधनों के माध्यम से नीति को अन्य राज्यों की तुलना में और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक, स्पष्ट एवं निवेश-अनुकूल बनाया गया है। इससे राज्य में औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावनाएँ सुदृढ़ हुई हैं।

मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णयों का मुख्य उद्देश्य राज्य के मूल निवासियों के लिए स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण रोजगार का सृजन सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा रोजगार सृजन अनुदान से संबंधित नए प्रावधान जोड़े गए हैं। अब 50 से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले विशेष सेक्टर के उद्यम जैसे फार्मा, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, आईटी आदि के एमएसएमई इकाइयों को भी छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को दिए जाने वाले वेतन पर अनुदान प्राप्त होगा।

सेवा क्षेत्र के दायरे का विस्तार करते हुए, मंत्रिमंडल ने कंप्यूटर-आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स एवं ऐप-आधारित एग्रीगेटर, तथा NABL मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक लैब को भी नीति के अंतर्गत सम्मिलित किया है। इन संस्थाओं को अब औद्योगिक विकास नीति के तहत निर्धारित प्रोत्साहन एवं अनुदान का लाभ मिलेगा। पर्यटन एवं स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास को गति देने के उद्देश्य से रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में पाँच सितारा होटलों तथा अन्य जिलों में तीन सितारा होटलों की स्थापना के लिए प्रोत्साहनात्मक संशोधन किए गए हैं। इसी प्रकार राज्य में बड़े निजी मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना को भी बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्धन के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि NIRF Ranking में शीर्ष 100 में शामिल शिक्षण संस्थानों द्वारा राज्य में परिसर स्थापित किए जाने पर उन्हें नीति के अंतर्गत विशेष अनुदान प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड, शीतलहर की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने सरगुजा, दुर्ग और रायपुर संभाग के कुछ हिस्सों में शीतलहर के मद्देनजर चेतावनी जारी की है। सर्द हवाओं के कारण लोगों को तेज ठंड का सामना करना पड़ रहा है। विभाग का कहना है कि आने वाले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि इसके बाद पुन: गिरावट की संभावना बनी रहेगी।

बीते 24 घंटों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। सरगुजा का अंबिकापुर सबसे ठंडा जिला रहा जहाँ न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया। पेंड्रारोड में 6.0 डिग्री, राजनांदगांव 8.5 डिग्री, दुर्ग 8.2 डिग्री और बिलासपुर में 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। वहीं राजधानी रायपुर में न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री और जगदलपुर में 9 डिग्री सेल्सियस रहा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है और मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान है। बुधवार को भी कई क्षेत्रों में शीतलहर का असर दिखाई दिया। इस बीच अधिकतम तापमान जगदलपुर में 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में सबसे कम रहा।

युवक की बेरहमी से हत्या

जीपीएम। गौरेला थाना क्षेत्र के बरवासन गांव अंतर्गत लमरा टोला में एक युवक की बेरहमी से की गई हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतक की पहचान चंद्रभान सिंह के रूप में हुई है, जिसका शव उसके घर के सामने आंगन में खून से लथपथ अवस्था में मिला। इस घटना से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और भय का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, गुरूवार सुबह जब ग्रामीणों ने चंद्रभान सिंह के घर के सामने आंगन में उसका शव देखा तो उन्हें तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचित किया। शव पर चोट के कई गहरे निशान पाए गए, जिससे यह स्पष्ट है कि युवक पर अत्यंत क्रूरता से हमला किया गया था। सूचना मिलते ही गौरेला थाना पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूनिवर्सिटी जांच पर गवर्नर का निर्देश, राज्यपाल की अनुमति अनिवार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शासकीय विश्वविद्यालयों में अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के खिलाफ जांच को लेकर बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। लोक-भवन से जारी आदेश के मुताबिक, अब किसी भी अधिकारी, शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले राज्यपाल की अनुमति अनिवार्य होगी।

वहीं जांच पूरी होने के बाद अंतिम निर्णय लेने के लिए भी कुलाधिपति यानी राज्यपाल की स्वीकृति जरूरी रहेगी। इस आदेश के बाद प्रदेश में राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच अधिकारों को लेकर टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है। अब तक विश्वविद्यालयों में कुलपति स्तर तक के मामलों में राज्यपाल का अधिकार क्षेत्र माना जाता था, जबकि उससे नीचे के अधिकारियों और कर्मचारियों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार निर्णय लेती थी। लेकिन नई व्यवस्था में कुलसचिव या प्रभारी कुलसचिव को छोड़कर बाकी सभी अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के मामलों में जांच से पहले राजभवन की अनुमति लेनी होगी।

प्रदेश में फिलहाल कई शासकीय विश्वविद्यालयों में विभागीय जांच चल रही है। इनमें छत्तीसगढ़ कृषि विश्वविद्यालय का बीज घोटाला, बिलासपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में कथित भ्रष्टाचार, और आदर्श महाविद्यालय लोहारकोट में जेम पोर्टल के जरिए 1.06 करोड़ की खरीदी जैसे मामले शामिल हैं। नए आदेश के बाद इन मामलों की जांच प्रक्रिया पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

लोकभवन की ओर से जारी आदेश में राज्य के 15 शासकीय विश्वविद्यालयों से जुड़े अधिनियमों का हवाला दिया गया है, जिनके तहत राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होते हैं। विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी नियुक्ति प्रक्रिया या अनुशासनात्मक कार्रवाई से पहले आवश्यक अनुमोदन लिया जाए, साथ ही जांच के बाद लिए जाने वाले हर अंतिम फैसले में भी कुलाधिपति की मंजूरी जरूरी होगी।

नए साल पर स्विट्जरलैंड के स्की रिजॉर्ट में धमाका, कई लोगों के मौत की आशंका

बर्न ए.। स्विट्जरलैंड में नए साल का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब एक स्की रिजॉर्ट में धमाका हुआ, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। धमाके में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपात सेवाएं मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं। धमाके की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, धमाका स्की रिजॉर्ट के लिए मशहूर शहर क्रांस मोंटाना में हुआ। धमाका रिजॉर्ट के रेस्तरां में हुआ, जहां नए साल का जश्न मनाया जा रहा था।

धमाके में कई लोगों के मारे जाने की खबर है और कई अन्य घायल हुए हैं। विस्फोट वाली जगह को सील कर जांच की जा रही है। एहतियातन रिजॉर्ट के आसपास के इलाके को भी सील कर दिया गया है। धमाका किसी दुर्घटना की वजह से हुआ या यह कोई हमला है, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

पहुंच से दूर होती दवाइयां

हिमाचल प्रदेश की फार्मा कंपनियों पर तालाबंदी का खतरा लटक रहा है। यहां की 500 से अधिक फार्मा कंपनियां फार्म-एम की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाई हैं। इन कंपनियों के बंद होने से न केवल हजारों प्रशिक्षित फार्मासिस्टों एवं फार्मा विज्ञानियों की नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं बल्कि बाजार में दवा की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। देश भर से नकली और स्तरहीन दवाइयों की शिकायतें सामने आने के बाद केन्द्र को यह फैसला लेना पड़ा। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने करीब डेढ़ साल पहले रिवाइज्ड 'एम' फॉर्म लागू किया। इसे लागू करने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक का टाइम दिया गया। पर इसकी शर्तें ऐसी हैं कि छोटी कंपनियां इन मानकों को पूरा नहीं कर पा रही हैं। वैसे भी इन उपायों का दवाओं की गुणवत्ता से कोई सीधा संबंध नहीं है। रिवाइज्ड 'एम' फॉर्म का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में बनने वाली दवाएं इंटरनेशनल स्टेंडर्ड, खासकर डब्लूएचओ-जीएमपी के अनुरूप हों। इसके लिए यूनिट के पास पर्याप्त जमीन, माइक्रो लैब, एयर हेल्डिंग सिस्टम, वाटर सिस्टम, जीएमपी मार्क वाली मशीनरी वगैरह अनिवार्य की गई है। दवा निर्माण से जुड़े हर चरण के लिए स्पष्ट और सख्त नियम तय किए गए हैं। जिनमें उत्पादन क्षेत्र का डिजाइन और स्वच्छता, आधुनिक और प्रमाणित मशीनरी का उपयोग, मॉडर्न लैब, ट्रेंड टेक्निकल स्टाफ होना अनिवार्य है। सवाल यह उठता है कि क्या इससे दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो जाती है। नकली और गुणवत्ताविहीन दवाइयों का निर्माण एक सोची समझी साजिश के तहत किया जाता है। अब जब कंपनियों का स्थापना व्यय बढ़ेगा तो निश्चित तौर पर सस्ती दवाइयों के सपने को सीधी चोट पहुंचेगी। दवा की गुणवत्ता के नाम पर केवल बड़े खिलाड़ी ही बाजार में रह जाएंगे। वैसे भी छोटी कंपनियां सामान्य दवाइयों का ही उत्पादन करती हैं। फार्मा मार्केट में पहले ही इतना झोल है कि एक ही दवा 20 रुपए से लेकर 200 रुपए स्ट्रिप तक बिकती है। एक तरफ सरकार जेनेरिक के माध्यम से जनता को महंगी दवाइयों से मुक्ति दिलाना चाहती है तो वहीं नए नियम छोटे निर्माताओं के लिए अस्तित्व संकट पैदा कर रहे हैं।

यूपी में फास्ट फूड से एक और मौत! नूडल्स व जंकफुड का अत्याधिक सेवन बना कारण

अमरोहा। यूपी के अमरोहा में फास्ट फूड के सेवन की वजह से एक और मौत का मामला सामने आया है। नीट की तैयारी कर रही चुचैला कलां गांव की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा इलमा कुरैशी की दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार की दोपहर बाद मौत हो गई। उसके दिमाग में गांठे बन गई थीं। परिजनों के मुताबिक इलमा का इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया था कि फास्ट फुड में प्रयोग की जाने वाली पत्ता गोभी के जरिए के दिमाग में पहुंचे कीड़े ने गांठे बनाई थीं। गांठे बढ़ने से छात्रा को अस्पताल में इलाज शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि बीमारी की जटिलता के कारण चिकित्सकों के लिए भी केस चुनौती बन गया। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बाद भी छात्रा को नहीं बचाया जा सका।

संपादकीय

सेहत का नया साल

खानपान के संयम से स्वस्थ-सुखी जीवन

आज हम एक नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। नववर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। मंगलकामनाएं अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन नये वर्ष के आगमन के उत्साह में हम इकतीस दिसंबर को देर रात तक नये साल के जश्न में जुटे रहते हैं। इधर देश में प्रयोगधर्मी खानपान व नशीली पार्टियों का फैशन जैसा बन गया है। देर रात तक चलने वाली पार्टियों के बाद नये साल के पहले दिन ही हमारी नींद देर से खुलती है। फिर नये साल का पहला दिन ही सुस्ती और आलस्य के साथ शुरू होता है। कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है। अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता-ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वत: बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। यह तथ्यपरक है कि हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं। नया साल न तो कोई जादू है और न ही चमत्कार करने वाला होता है। महज एक नये दिन मानक होता है। नया दिन बदलाव के संकल्प का और उससे जीवन को सुखमय बनाने का। यूं भी जब जनवरी के पहले दिन का आगमन होता है तो शीत का प्रकोप होता है, जिसके चलते जीवन की गति मंथर हो जाती है। संभवत: शीतजनित इस नीरसता व एकरसता को तोड़ने के लिए दुनिया में नववर्ष के उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने की परंपरा शुरू की गई होगी।

> “ कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है। अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता-ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वत: बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं।

सही मायनों में उत्सव का उल्लास हमारे तन-मन को स्वस्थ और मंगलमय बनाने के लिए होता है। लेकिन इस दौरान हम खानपान को लेकर अराजक व्यवहार करने लगते हैं। दरअसल, हमारा शरीर बेहद संवेदनशील व हमारी सेहत के प्रति सचेत होता है। शरीर का अपना उन्नत सुरक्षा-तंत्र लगातार हमारे स्वास्थ्य की फिक्र करता है। वह शरीर को सर्दी-गर्मी के अनुरूप अपना ताप नियंत्रित कर हमारे जीवन की रक्षा करता है। वह बार-बार संकेतों से हमें सचेत करता है। हम उसकी आवाज अनसुनी कर देते हैं। एक सीमा तक वह इसे बर्दाश्त करता है, लेकिन फिर असहाय होने की स्थिति में बीमार पड़ जाता है। अक्सर देखते हैं कि नये साल के जश्न, शादी-विवाह व मुफ्त की पार्टियों में हम जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं। लेकिन खाने-पीने की अराजकता पेट को लगातार परेशान करती है। उत्सव व पार्टी में हम सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा खा लेते हैं। योग दर्शन बताता है कि पेट को चार भागों में मानकर दो भाग खाने के लिये, एक पानी और एक आकाश तत्व के लिये रखें। आकाश तत्व यानी खाली रखने के लिए, जिससे पाचन की क्रिया सुगम होती है। हम किसी मशीन में भी कोई पदार्थ ठूंस-ठूंस कर भर दें, तो उसकी गति बाधित होती है। फिर पेट तो कोमलअंगी होता है। जापान के एक द्वीप में सौ से अधिक उम्र के सैकड़ों लोग मौजूद है, जिसने पश्चिमी शोधकर्ताओं को चकित किया। शोध में पता चला कि श्रमशील व प्रसन्न रहने वाले इस द्वीप के लोगों की एक खास आदत है, जब उन्हें लगता है कि खान पर्याप्त हो गया है, तो वे थाली का खाना उसी वक्त छोड़ देते हैं। यही उनकी लंबी उम्र का राज भी है। दरअसल, भूख हमारी शारीरिक जरूरत से अधिक मानसिक होती है। बढ़ती उम्र के साथ हमारे खाने की मात्रा में कमी होनी चाहिए। हम जीने के लिये खाएं, न कि खाने के लिए जीएं। अब चाहे नये साल की पार्टी हो या कोई पर्व-त्योहार, हमें संयमित भोजन का ही उपयोग करना चाहिए। हल्का, सुपाच्य व कम भोजन जहां दवा है, वहीं गरिष्ठ व अधिक भोजन हानिकारक हो सकता है।

देश का दिल कहलाने वाली राजधानी दिल्ली इन दिनों जहरीले हवा-पानी के कारण अपने शहरियों की सेहत के लिए कोरोना के बाद का सबसे बड़ा संकट झेल रही है। दिल्ली के अखबारों में छपी वर्षांत छोटी-छोटी बात में जानलेवा हिंसा की खबरें चीख-चीख कर यह जता रही हैं कि उसकी सामाजिक सेहत और भी खराब है, इतनी खराब कि उसके कई निवासियों को सहज मनुष्यता से भी महरूम कर, उन्हें मनुष्य की जगह हत्यारा बना दिया है। लेकिन दिल्ली ही क्यों, इन्हीं अखबारों में छपी गोरखपुर की उस खबर को पढ़ लें, जिसमें ग्यारहवीं के एक छात्र को ह्वाट्सएप पर लगाये उसके एक स्टेटस से ख़फ़ा सिरफिरों ने उसके कालेज में ही गोलियों से भून डाला, तो साफहो जाता है कि शेष देश का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। साफकहें तो वहां की सामाजिकता भी इतने अंदेशों के हवाले है कि सिर्फवही अपने को सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं, जो किसी की असुविधा के कारण नहीं हैं।

खुद को बेहतर मनुष्य बनाने की करें नई शुरुआत

कृष्णप्रताप सिंह

याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था : बस-कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।

देश का दिल कहलाने वाली राजधानी दिल्ली इन दिनों जहरीले हवा-पानी के कारण अपने शहरियों की सेहत के लिए कोरोना के बाद का सबसे बड़ा संकट झेल रही है। दिल्ली के अखबारों में छपी वर्षांत छोटी-छोटी बात में जानलेवा हिंसा की खबरें चीख-चीख कर यह जता रही हैं कि उसकी सामाजिक सेहत और भी खराब है, इतनी खराब कि उसके कई निवासियों को सहज मनुष्यता से भी महरूम कर, उन्हें मनुष्य की जगह हत्यारा बना दिया है।

लेकिन दिल्ली ही क्यों, इन्हीं अखबारों में छपी गोरखपुर की उस खबर को पढ़ लें, जिसमें ग्यारहवीं के एक छात्र को ह्वाट्सएप पर लगाये उसके एक स्टेटस से ख़फ़ा सिरफिरों ने उसके कालेज में ही गोलियों से भून डाला, तो साफहो जाता है कि शेष देश का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। साफ कहें तो वहां की सामाजिकता भी इतने अंदेशों के हवाले है कि सिर्फ वही अपने को सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं, जो किसी की असुविधा के कारण नहीं हैं। लेकिन इस लिहाज से, इसके बावजूद, उनकी मुश्किलों का अंत बहुत मुश्किल है कि जो हालात हैं, उनमें बहुत चाहकर भी किसी की असुविधा का कारण न बनना संभव नहीं हो पा रहा। बढ़ता धार्मिक व साम्प्रदायिक विद्वेष और प्रदूषित राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं बेतरह इसके आड़े आ रही हैं।

इस पर आम लोगों की बात करें तो वे अपने एकांत में तो अकेले हैं ही, भीड़ भरी सड़कों पर भी अकेले ही हैं। क्योंकि जब भी उनके जैसे किसी निरीह या निर्दोष पर कोई प्रहार होता है, भरी हुई सड़कें देखकर भी कुछ नहीं देखतीं। बुजदिली की शरण में चली जाती और मृत्यु से पहले ही मर जाती हैं। माब लिंचिग जैसी वारदातों के वक्त बढ़-चढ़कर 'बहादुरी' प्रदर्शित करने वालों का पौरुष उस वक्त जानें कहां चला जाता है। शायद इसलिए कि उनके निकट मारना बचाने से बड़ा जीवन-मूल्य हो गया है और किसी की रक्षा के लिए अपनी जान खतरे में डालने का जोखिम उन्हें इतना बड़ा लगता है कि वे उसको उठा नहीं पाते।

ऐसे में जब कभी धूमधाम से आई इक्कीसवीं शताब्दी के एक चौथाई वर्ष नि:शेष होने वाले हैं और बर्फीली हवाएं ठिठुरन बनकर तन-मन को बेधे जा रही हैं, आगे मनुष्य के मनुष्य ही न रह पाने के अंदेशे जताती इन खबरों के बीच जो बात सबसे ज्यादा सताती है, वह, निस्संदेह, स्मृतिशेष वीरेन डंगवाल द्वारा अरसा पहले अपनी एक कविता में पूछे गये इस सवाल के अनुत्तरित रह जाने से पैदा हुई है : आखिर हमने कैसा समाज रच डाला है, जिसमें जो कुछ भी चमक रहा है काला है?

याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था : बस-कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।

ऐसे में यह सवाल भी बहुत स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी मनुष्यता के लिहाज से गालिब के वक्त में ही खड़े रह गये हैं? अगर नहीं तो क्यों हमारे बीच कोई इतना बेदर्द है कि इन हालात में नये साल की शुभकामनाएं देते हुए उसका कलेजा फटने को नहीं आ जाता और क्यों जगजीत सिंह की गाई इस मशहूर गजल के शायर को कहना पड़ता है कि 'तुमको ये नया साल मुबारक हो दोस्तो, मैं जख्म गिन रहा हूं अभी पिछले साल के!'

पिछला वर्ष इस तरह कलेजा निकाल कर जायेगा तो कौन इस भ्रम के सहारे खुश हो सकता है कि इक बरहमन ने कहा है कि साल अच्छा है या कि किस्से बनेंगे अबके बरस भी कमाल के। अगर पिछले साल के ज़ख्म गिनने की विडम्बना उसका साथ नहीं छोड़ती तो इस बात से क्या फर्क पड़ता है कि मीर-ए-कारवां को यह देखने की फुर्सत है या नहीं कि वह आ रहा है पांव के कांटे निकाल के!

यहां कह सकते हैं कि 2025 ने बहुत से जख्म दिए तो छाती चौड़ी करने के अनेक मौके भी। लेकिन इस बात का क्या करें कि इससे यह गम गलत नहीं होता कि उसने हमें मनुष्यता के उदात्तीकरण की ओर ले जाने के बजाय उसके अवसान के अंदेशे ही प्रबल किये हैं। ये अंदेशे उत्सव बनते बड़े-बड़े युद्धों और उनमें निरीह बच्चों तक के संहारों में ही नहीं, हमारे निजी व सामाजिक जीवन की छोटी-छोटी कुटिलताओं में भी नजर आते हैं।

बकौल कविवर हरीशचंद्र पांडे, 'नया साल मुबारक हो' कहते हुए लगता है कि हम झाड़ियों के उलझाव से बाहर निकलने की कोशिश करती बैलों के गले में बंधी घंटियों में बदल गये हैं। इस खतरे की घंटी को, अभी और अभी, फौरन से पेश्तर सुने जाने की जरूरत है। इसलिए कि हमारी आज की सबसे बड़ी जरूरत मनुष्य के रूप में अपनी रक्षा की है। हम यह रक्षा कर पाये तो वह सब भी फिर से पाने की उम्मीद कर सकते हैं, जो पहले गंवा आये हैं। लेकिन नहीं कर पाये तो? इस सवाल का जवाब भला किसे मालूम नहीं? और किसे नहीं मालूम कि उससे बचने का एक ही तरीका है कि हम नये साल में प्राणपण से अपनी मनुष्यता को बचायें और बेहतर बनायें।

कृपया पेटी बांध लें, हम कर्तव्य के नये रन-वे पर उतरने को हैं!

नरेश कौशल

यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। ऊंची उड़ान के दौरान पीछे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। नये साल में देश को समावेशी विकास की जरूरत है। जरूरी है कि महिला आबादी के लिए न्याय व समानता यकीनी बने। सभी तबकों के लिए सुरक्षा, रोजगार व स्वच्छ पर्यावरण के दावे भी हकीकत बनें।

बीती रात सारे देश में मौज-मस्ती का माहौल रहा। लोग होटलों में लाइन लगाकर जगह तलाशते रहे। मॉल से लेकर क्लबों तक में रंगारंग कार्यक्रम व अलग-अलग मौज-मस्ती के तौर-तरीके आजमाए जाते रहे। लेकिन ऐसे शोरगुल में उस बड़ी आबादी की चीख-पुकार गुम होकर रह गयी जो सड़कों और रैन बसेरों में रात काट रही थी। समाज के आखिरी छोर पर खड़े सभी लोगों को हमें अगले सफर पर साथ लेकर चलना होगा। हम वर्ष 2026 के रन-वे पर उतरने के लिये उड़ान भर चुके हैं। अपने कर्तव्य की पेटियां बांध लें।

बीते सफर में हमने जो हासिल किया और जो गंवाया, उस पर मंथन की भी जरूरत है। सरकारों ने हमें विकास की उजली तसवीर दिखायी है। इसमें दो राय नहीं है कि हमने तमाम क्षेत्रों में कामयाबी की उड़ान भरी थी। लेकिन ऊंची उड़ान के दौरान नीचे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। देश में बेरोजगारी कम होती नजर नहीं आई है। जब-तब सांप्रदायिकता का फन सिर उठाता रहा। आर्थिक गैर-बराबरी दूसरी बड़ी चुनौती है। अमीर और अमीर तथा गरीब ज्यादा गरीब होता रहा है। कामयाबी की उस उड़ान के वक्त धरातल की हकीकत पर नजर डालनी चाहिए थी। अब जब हम नये साल के रन-वे पर उतरने को तैयार हैं तो कृपया अपने कर्तव्य की पेटी बांध लें।

यह एक कड़वी हकीकत है कि महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय कम नहीं हुए। कई इलाकों से यौन हिंसा की खबरें अकसर आती रहीं। सेंगर प्रकरण की पूरे देश में गूंज रही। फिर देश की सबसे बड़ी अदालत ने हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद उसे रोक दिया। सवाल फिर वही है कि क्या एक नागरिक के रूप में हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहे? क्या हम प्रभावशाली राजनेताओं को कठघरे में खड़ा करने के लिये पीड़ित के साथ खड़े हुए? क्या हम और सरकार लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ बंधे रहे?

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने संसद में देश के गिग-वर्कर्स का मुद्दा उठाया, जो अपनी जान जोखिम में डालकर ग्राहकों का ऑर्डर डिलीवर करते हैं। एक तरफउन्हें कंपनियों के मालिकों के सख्त व्यवहार का शिकार होना पड़ता है, वहीं किसी कारण अगर ऑर्डर डिलीवरी देने में तकनीकी कारणों से देरी होती है तो उन्हें लोगों के गुस्से का शिकार बनना पड़ता है। लोग कुछ मिनट देर होने पर उन्हें अनाप-शनाप कहने से पीछे नहीं हटते। हालांकि, हाल ही में केंद्र सरकार ने गिग वर्करों के वेतन, सेवा शर्तों व चिकित्सा सुविधा देने को अनिवार्य किया, लेकिन कंपनियों के मालिक उनके वाजिब हक देने को राजी नहीं दिखते। जिसकी वजह से डिलीवरी करने वाले गिग-वर्कर आंदोलन के रास्ते चलने को तैयार बैठे हैं। छोटे दुकानदारों का अलग दर्द है कि जब से मॉल और ऑनलाइन कारोबार ने रफ्तार पकड़ी, उनका धंधा चौपट होता गया है। भले हम दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था की ओर उडारी भरने को उत्सुक हैं, मगर पिछड़ों व वंचितों को भी साथ लेकर चलने की दिशा में बढ़ते हुए कृपया अपने कर्तव्यों की पेटी बांध लें।

वैसे, देश में प्रधानमंत्री के उद्घोष 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' का मंत्र सिरे चढ़ता नजर आ रहा है। यूं तो देश में भ्रष्टाचार की कमी नहीं है लेकिन राजग सरकार व भाजपा शासित राज्यों के मंत्री आमतौर पर भ्रष्टाचार से कन्नी काटते नजर आए। वहीं यह अच्छी बात है कि राजग सरकारों ने शिक्षा नीतियों में बड़े बदलाव किए। पाठ्यक्रमों में इतिहास की जानकारी में बदलाव भले हों मगर यह सब धर्मनिरपेक्ष ढांचे में हो तो बेहतर है। यह सुनिश्चित हो कि सांप्रदायिकता के उफान की कीमत अल्पसंख्यकों को चुकानी न पड़े।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार की पूरी दुनिया में खासी चर्चा देखी-सुनी गई है। यह हकीकत है कि किसी समाज में धर्म व संप्रदाय के नाम पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। यह सरासर मानवता के खिलाफ अपराध कहा जाएगा। यहां हमारे देश के कर्ता-धर्ताओं को सोचना होगा कि क्या देश में कहीं धर्म व सांप्रदायिकता के आधार पर भेदभाव तो नहीं हो रहा है। कहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा भारत की घटनाओं का प्रतिकार तो नहीं है? हमें भारत की सनातन परंपरा के अनुसार सभी धर्मों के लोगों की आस्था व विश्वास का सम्मान करना होगा। यह तभी होगा जब हम अपने मौलिक अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करेंगे। तभी देश की तरक्की की उड़ान सही दिशा में होगी।

बीते साल में हमने देश में अंतरिक्ष से लेकर विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में खूब तरक्की की है। विकास का सूचकांक ऊंचा है। सकल घरेलू उत्पाद दर दुनिया में सबसे ऊंची बतायी जा रही है। मगर सोचना पड़ेगा कि देश के कमजोर वर्गों को मिलने वाला मुफ्त राशन अस्सी करोड़ लोगों को क्यों दिया जा रहा है? क्या वाकई गरीबी के आंकड़े कम हो रहे हैं? देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण जानलेवा बन रहा है। अरावली का संकट फ्लिहाल सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले पर रोक लगाने पर कुछ दिन के लिये टल गया है। मगर हमारा हवा-पानी साफ क्यों नहीं हो रहा है? गुरु नानक देव जी ने कहा है : 'पवन गुरु, पाणी पिता, माता धरति महतु।' यानी वायु गुरु हैं, जल पिता हैं और पृथ्वी सबकी महान माता हैं। सवाल यह है कि क्या हम वायु, जल व पृथ्वी को आज ऐसा सम्मान दे रहे हैं? अब वक्त आ गया है कि हम सब मिलकर स्वच्छ पर्यावरण बनाने के संकल्प की उड़ान के लिये कर्तव्य की पेटी कस कर बांध लें।

नये साल में तरक्की के रास्ते सरकार व समाज के साझे प्रयासों से तय होंगे। यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। हम विमान में सामान लेकर चलते हैं। केबिन के अंदर हमें चमक-दमक वाला कैरी बैग तो नजर आता है। मगर जहाज के पीछे-नीचे कारगो होल्ड में रखा चेकइन बैगेज नजर नहीं आता। पर देर-सवेर विमान से उतरते समय कनवेयर बेल्ट पर तो वो दिखायी देता है। इसी तरह हमारी विकास यात्रा की अच्छाइयां तो दिखायी जाती हैं। तरक्की के दावे तो दर्शाए जाते हैं, लेकिन इस दौड़ में पिछड़ने वाले बेरोजगार, गरीब व वंचितों की तसवीर नहीं दिखायी जाती है। नये साल में देश को समावेशी विकास की जरूरत है। तो आइये नव वर्ष के साथ हम सब एक साथ दायित्व बोध की अंगड़ाई लें, संकल्प की पेटियां थाम लें, हम कर्तव्य पथ पर उतर चुके हैं।

जामगांव की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिला नया बल

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक,
अशोक कुमार चंद्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार

प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफपी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है।

20 हजार मीट्रिक टन क्षमता का केंद्रीय वेयरहाउस

इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है।

ग्रामीणों और संग्राहकों को मिल रहा स्थायी लाभ

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

पीपीपी मॉडल पर हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट यूनिट की स्थापना

जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

आंगल नववर्ष

अलविदा दिसम्बर,
स्वागत है नव वर्ष,

सबके ही जीवन में,
प्यार बरसाइए।

सुदृढ़ संकल्प गढ़े,
नव पथ आगे बढ़े,

परिजन सेवा धर्म,
कर्तव्य निभाइए।

शुभ-शुभ नव वर्ष,
मन में उमंग हर्ष,

मंदिर में दीप जला,
राम-राम गाइए।

शुक्रिया हजार बार,
आए प्रिय मित्र द्वार,

'सुषमा' सौग़ात लिए,
सुमन सजाइए।

- सुषमा प्रेम पटेल
(रायपुर छग)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

महापौर बाघमार ने किया डामरीकरण का शुभारंभ

दुर्ग। नगर पालिक निगम,महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर के साथ आज वार्ड 60 में महानदी कम्प्लेक्स से लेकर जिम रोड तक लागत 31 लाख सड़क डामरीकरण कार्य का पूजा अर्चना कर शुभारंभ कराया। जिसकी लागत 31 लाख से डामरीकरण सड़क नव निर्माण कर किया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि काफी समय से इस सड़क में डामरीकरण व सुधार कार्य की मांग की जा रही थी। इसके पूरे हो जाने से जनता को बेहतर सड़क उपलब्ध होगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क की मजबूती मोटाई एवं उपयोग में लाई जा रही सामग्रियों एवं मशीनों की कार्यक्षमता का अवलोकन करते हुए साथ चल रहे अधिकारियों से जानकारी ली। कार्य कर रहे ठेकेदार एवं अधिकारियों से निर्धारित समय पर गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए।

दुगेश्वर महादेव मंदिर में रूद्राभिषेक और महाआरती

दुर्ग। नव वर्ष के शुभ अवसर पर दुगेश्वर महादेव मंदिर, आदित्य नगर में रूद्राभिषेक, भगवान शिव का विशेष श्रृंगार, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। 01 जनवरी को शाम 6 बजे होने वाली महाआरती के साथ श्रद्धालुओं ने नए वर्ष की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं और शिव आराधना में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं लेंगे भाग। मंदिर समिति की सदस्य नीलू संजय सिंह द्वारा भक्तों से आग्रह किया गया कि वे घर से सजी हुई आरती की थाली लेकर आएँ और शिव परिवार के समक्ष आराधना कर नव वर्ष की शुभ शुरुआत करें।

लगभग 40 साल की सेवा के बाद नेत्र सहायक जसविंदर कौर हुई सेवानिवृत्त

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन में पदस्थ नेत्र चिकित्सा सहायक अधिकारी जसविंदर कौर विरदी अपनी सुदीर्घ शासकीय सेवा से बुधवार को सेवानिवृत्त हो गई। अंतिम कार्य दिवस 31 दिसंबर को अपने कार्य पर उपस्थित होकर उन्होंने ओ पी डी में हितग्राहियों की जांच की और उचित परामर्श दिया। जिन हितग्राहियों के मोतियाबिंद की पुष्टि हो चुकी थी उनको एक दिन पहले जिला चिकित्सालय दुर्ग में भर्ती करवाया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन के बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने बताया कि जसविंदर कौर विरदी की प्रथम नियुक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुंडरदेही में सन 1986 में हुई और सन 1989 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन से पदस्थ हुई और अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन से ही शासकीय सेवा के नियमानुसार 62 वर्ष आयु होने पर सेवानिवृत्त हुई।

सेवाकाल के अंतिम दिन तक मरीजों और हितग्राहियों को सेवा देते हुए उन्होंने कर्मठ और ईमानदार छवि प्रदर्शित की। इनके द्वारा प्रति सोमवार और बुधवार को ओपीडी करते हुए नेत्र जांच की जाती रही। शेष दिवस भिलाई तीन के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों में मरीजों की आंखों की जांच, स्कूलों और कॉलेजों में नेत्र जांच करके सैकड़ों लोगों का निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कठौतिया ओर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ. शिखर अग्रवाल ने कहा कि ऐसे नेत्र चिकित्सा अधिकारी का साथ छूटना अखरता है।

विजय हजारे वन डे और विजय मर्चेंट मल्टी डे ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ ने किया शानदार प्रदर्शन

विकल्प तिवारी का नाबाद 112, अंडर-16 में पंजाब के साथ मैच ड्रॉ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा सीनीयर मेंस विजय हजारे वनडे ट्रॉफी 2025 का आयोजन दिनांक 24 दिसंबर 2025 से किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम ने चौथा मैच 31 दिसंबर को सिक्किम सीनीयर के विरुद्ध खेला।

सिक्किम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने निर्धारित 50 ओवरों में 3 विकेट खोकर 355 रनों का विशाल स्कोर बनाया। विकल्प तिवारी ने 57 गेंदों में 9 चौकों तथा 6 छक्कों की मदद से 112 नाबाद रन बनाये। आयुष पांडे ने 86 रन तथा कप्तान अमनदीप खरे ने नाबाद 83 रन बनाये, वहीं मयंक वर्मा ने 36 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ टीम की ओर से अपना पहला मैच खेल रहे देव आदित्य सिंह ने 4 विकेट प्राप्त किये वहीं अजय मंडल ने भी 4 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 229 रनों से जीत लिया।

सिक्किम की ओर से अभिशेख तथा अंकुर ने 1-1 विकेट लिये। 356 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिक्किम 34 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर केवल 126 रन ही बना पायी। सिक्किम की ओर से गुरींदर सिंह ने 47 रन तथा पालजोल ने 43 रन बनाये।

बीसीसीआई द्वारा मेंस अंडर 16 विजय मर्चेन्ट मल्टी डे ट्राफी 2025 का आयोजन 7 दिसंबर से किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ ने पांचवा मैच दिनांक 29-31 दिसंबर को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में पंजाब अंडर 16 टीम के विरुद्ध खेला। छत्तीसगढ की ओर से अर्शवीर सिंह ने 4 विकेट तथा यथार्थ सिंह चौहान ने 3 विकेट लिये। मैच की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 59 ओवरों में 6 विकेट खोकर 178 रन बना लिये। छत्तीसगढ़ की ओर से उज्ज्वल मरकाम ने नाबाद 55 रन बनाये। प्रतिक गंधर्व ने 35 रन तथा अनिकेत कुजुर 27 ने रन बनाये। वहीं पंजाब की ओर से अभिशेख राजपुत ने 3 विकेट प्राप्त किये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ।

पंजाब अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में 40.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 114 रन बनाये। चंद्रान्श यादव ने नाबाद 43 रन बनाये। अंशुमन ठाकुर ने 20 रन तथा अनिकेत कुजुर ने 15 रनों का योगदान दिया।

पंजाब की ओर से शिवम मत्री ने 4 विकेट तथा जैविन ने 3 विकेट प्राप्त किये। पंजाब ने 61.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 136 रन बनाये। अभिशेख राजपुत ने नाबाद 39 रन बनाये तथा पंजाब को पहली पारी में बढ़त दिलाई।

फरमानिया चैरिटेबल ने 650 स्कूली बच्चों को बांटे स्वेटर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वर्गीय सरबती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट (पेंड्रा) की ओर से 30 दिसंबर को स्वेटर वितरित किया गया। ट्रस्ट के संचालक सुरेश फरमानिया ने बोरी तहसील स्थित शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक हायर सेकेंडरी नवागांव, प्राथमिक शाला सिलतरा और प्राथमिक शाला डोमा के लगभग 650 बच्चों को नवागांव (पुरदा) स्कूल में स्वेटर वितरण किया।

सर्दी के मौसम में स्वेटर मिलने से बच्चे आनंदित हो उठे। ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश फरमानिया ने बताया कि संस्था द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को स्वेटर के अलावा पुस्तक, कॉपी, पेन, पेंसिल, स्कूल बैग विगत कई वर्षों से दिया जा रहा है। संस्था के द्वारा केवल सहयोग की भावना से ही कार्य किया जाता हैं। फरमानिया ट्रस्ट को उनके इस परोपकारी कार्यो के लिए शाला परिवार के तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया गया, साथ ही उन्हें सम्मान स्वरूप शाल,श्रीफ्ल एवं स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में दिनेश कुमार साहू (संकुल समन्वयक) हिर्री, प्राचार्य रागिनी टोनपे, मनोज कुमार मरकाम (शिक्षक) पेंड्रावन, भीखम साहू (सरपंच) नवागांव, त्रिभुवन वर्मा (उपसरपंच) नवागांव, तोमन लाल देशमुख (व्याख्याता), प्रधान पाठक (डोमा) मिलेश्वर देशमुख, प्रधान पाठक (सिलतरा) ताम्रध्वज ठाकुर, प्रधान पाठक (नवागांव) शैलेन्द्र पारकर, अजय कतलम एवं ग्राम के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दल्ली-राजहरा महिला समाज ने ग्रामीणों को बांटे कंबल

श्रीकंचनपथ समाचार

दल्ली राजहरा। लौह अयस्क समूह, दल्ली राजहरा के महिला समाज द्वारा सामाजिक कल्याण, मानवता एवं सेवा भावना के उद्देश्य से प्रति वर्ष शीत ऋतु में खदान क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में कंबल वितरण का कार्य किया जाता है। 29 दिसम्बर, 2025 को कड़ाके की ठंड को दृष्टिगत रखते हुए महिला समाज, दल्ली राजहरा द्वारा कलवर खदान के समीपस्थ ग्राम पंचायत झिटकाटोला के 150 जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल तथा कलवर खदान के प्रहरियों (गार्ड) को टॉर्च का वितरण किया गया।

इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड के मौसम में असहाय, बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को राहत पहुंचाना रहा। यह आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (खदान) आरबी गहरवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला समाज की अध्यक्ष रेखा गहरवार रही तथा अध्यक्षता ग्राम पंचायत झिटकाटोला के सरपंच पति धनसिंह ध्रुव द्वारा की गई। इस अवसर पर महिला समाज की पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को कंबल वितरित किए। महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती रेखा गहरवार ने अपने संबोधन में कहा कि समाज का दायित्व है कि वह जरूरतमंदों के दु:ख में सहभागी बने और मानवीय संवेदनाओं के साथ सेवा कार्य करे। ग्राम पंचायत झिटकाटोला के सरपंच पति धनसिंह ध्रुव ने इस पहल की सराहना करते हुए महिला समाज, दल्ली राजहरा के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी घनश्याम पारकर ने किया व धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष (महिला समाज) प्रभा सिंह ने द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महिला समाज की उपाध्यक्षा शीला जयप्रकाश, सचिव मिनोती बस्के, सहसचिव आरती कापरे, उषा रामटेके, प्रतिमा सिंह, श्रम कल्याण अधिकारी संतराम साहू एवं घनश्याम पारकर खान प्रबंधक प्रवीण कुमार राय तथा उप प्रबंधक गिरीश कुमार मढ़रिया का विशेष सहयोग रहा।

मैत्रीबाग में आज से 'फूड-कोर्ट' की सुविधा प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्वच्छता मानकों को सुदृढ़ करने तथा समग्र मनोरंजन अनुभव को और अधिक समृद्ध बनाने की दिशा में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) प्रबंधन द्वारा मैत्री बाग में कई नई अधोसंरचनात्मक एवं सेवा संबंधी पहलें की जा रही हैं। क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय सार्वजनिक पर्यटन स्थलों में शामिल मैत्री बाग को और अधिक आकर्षक तथा सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

इन्हीं पहलों के अंतर्गत 1 जनवरी 2026 से प्रगति मीनार के सामने एक प्रमुख स्थान पर नई फूड कोर्ट सुविधा का शुभारंभ किया जाएगा। आगंतुकों को विविधता और सुविधा दोनों प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित इस फूड कोर्ट में चाउमीन, पनीर चिली, पास्ता, सैंडविच सहित कई लोकप्रिय व्यन्जन उपलब्ध कराए जाएंगे। भीड़ प्रबंधन को सुचारु रखने तथा त्वरित सेवा सुनिश्चित करने के लिए यहां कुल छह अलग-अलग फूड काउंटर स्थापित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, मैत्री बाग के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप तथा जू प्रवेश के सामने भी नए फूड एवं सर्विस काउंटर लगाए गए हैं, जिससे पूरे परिसर में आगंतुकों की पहुंच और सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य स्वच्छ, सुव्यवस्थित और हाइजीनिक फूड आउटलेट्स विकसित करना है, ताकि पर्यटकों के लिए यह स्थल और अधिक आनंददायक बन सके।

उल्लेखनीय है कि मैत्री बाग, समीपवर्ती जवाहर उद्यान के साथ मिलकर कुल 187 एकड़ के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें से 147 एकड़ क्षेत्र केवल मैत्री बाग के अंतर्गत आता है। यहाँ पूर्व से ही नौकायन सुविधा, मिनी ट्रेन, विस्तृत हरित लॉन जैसी अनेक आकर्षक सुविधाएं प्रदान करता है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह उद्यान विविध प्रकार की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का भी आवास है।

बीएसपी में 'सुपरएनुएशन प्लानिंग' पर कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा मैनेजमेंट एंड लीडरशिप डेवलपमेंट सेंटर (एमएलडीसी), दिल्ली के सहयोग से प्लानिंग फॉर सुपरएनुएशन विषय पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए आत्मविश्वासपूर्ण, सहज और उद्देश्यपूर्ण रूप से तैयार करना था।

कार्यक्रम में आगामी तीन से छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले कुल 110 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें 30 कार्यपालक एवं 80 गैर-कार्यपालक कर्मचारी शामिल थे। कार्यपालकों के लिए प्रशिक्षण सत्र 16-17 दिसंबर 2025 को भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) में आयोजित किए गए, जबकि गैर-कार्यपालकों के लिए कार्यक्रम 18-19 दिसंबर 2025 को एचआरडी केन्द्र में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिनमें पूर्व निदेशक (मानव संसाधन), ओएनजीसी/ओआईएल एवं अध्यक्ष (एमएलडीसी) डॉ. जौहरी लाल, ट्रांसफॉर्मेशन कोच, स्ट्रेस मैनेजमेंट एक्सपर्ट एवं मेडिटेशन टीचर श्री प्रतीक पाठक तथा वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार एवं संस्थापक, आदित्य पोर्टफोलियो कंसल्टेंट्स जवाहर लाल बंसल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से उन बीएसपी कर्मचारियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था जो सेवानिवृत्ति के निकट हैं, ताकि उन्हें सेवानिवृत्ति उपरांत एक स्वस्थ, संतुलित एवं आर्थिक रूप से सुरक्षित जीवन के लिए व्यावहारिक उपकरण, मार्गदर्शन और स्पष्ट दृष्टिकोण प्राप्त हो सके। कार्यक्रम का मुख्य बिंदु सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्ति के चरण को सहज बनाना तथा जीवन के अगले चरण के लिए समग्र तैयारी सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई, उनमें जीवन के आगामी चरण के प्रति समग्र दृष्टिकोण, परिवर्तन एवं तनाव से निपटने की रणनीतियाँ, वसीयत लेखन, उद्देश्यपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से दूसरी पारी की योजना, भावनात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बल देते हुए आनंदमय जीवन, प्रभावी सेवानिवृत्ति योजना एवं समय प्रबंधन, तथा वित्तीय योजना और निवेश रणनीतियाँ शामिल रहीं। विशेष रूप से साइबर अपराधों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

आपत्ति-दावा निपटान के बाद 'मोर मकान-मोर आस' की अंतिम सूची जारी, 24 हितग्राही हुए पात्र

दुर्ग। नगर पालिक निगम ।प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक 'मोर मकान-मोर आस' अंतर्गत प्राप्त आपत्तियों और दावों की विस्तृत जांच-परख एवं सुनवाई प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इसके उपरांत पात्र और अपात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई है। नगर निगम प्रशासन ने बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूची को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया है। नागरिक विभागीय वेबसाईट पर ऑनलाइन सूची देख सकते हैं। साथ ही इसकी प्रतियां नगर निगम के मुख्य कार्यालय और डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में भी चस्पा की गई हैं, जिससे आमजन आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें।अंतिम छँटनी के बाद तैयार की गई पात्र हितग्राहियों की सूची 25.09.2025 से 11.12.2025 तक प्रदर्शित किया गया। इस अवधि में कुल 24 हितग्राहियों को योजना के तहत पात्र माना गया है।अधिकारियों का कहना है कि पात्रता तय करते समय आय, आवासीय स्थिति, दस्तावेज़ों की वैधता तथा योजना के नियमों का कड़ाई से पालन किया गया। अपात्र आवेदकों को कारण सहित सूचित किया गया है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

नगरी में शिमला वाली ठंड, अलाव ही एकमात्र सहारा

नगरी। छत्तीसगढ़ के मध्य हिस्से में स्थित नगरी -सिहावा में कड़ाके की ठंड इन दिनो पड़ रहा है। इनका असर नगरी नगर पंचायत क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। रात्रि का तापमान न्यूनतम तापमान 10 -11 डिग्री तक पहुंच गये है। शीतलहर से बचने हेतु यहां के आम जनता नागरिक गण अलाव का सहारा लेते हुए। दिन में ठंड से थोड़ी राहत है। ठंड से बचने अलाव का सहारा लेते हुए कौशल प्रसाद साहू,डी एस ध्रुव, दीपक कुमार साहू, ईश्वरी ध्रुव, पार्वती बाई साहू,हिमेन्द्र कोसरिया,ममता कोसरिया, नागेंद्र साहू,टीया साहू व पोडीडिह से आए हुए अन्य अतिथिगण। प्रकृति ने नव वर्ष का स्वागत शीतलहर से कर रहे है।

भूलसीडीह में मेडिकल कॉलेज के लिए आबंटित भूमि अतिक्रमणमुक्त

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशों के परिपालन में तहसीलदार भैसमा के.के. लहरे एवं राजस्व टीम द्वारा ग्राम भूलसीडीह स्थित मेडिकल कॉलेज हेतु आबंटित पार्ट-2 की शासकीय भूमि में की गई कार्रवाई के तहत कुल 28.00 एकड़ भूमि में से 18.00 एकड़ रकबा सरपंच एवं ग्रामवासियों के सहयोग से बेजा कब्जों से मुक्त कराया गया है। कार्रवाई के दौरान राजस्व अमले एवं ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता से भूमि को अतिक्रमणमुक्त कर मेडिकल कॉलेज निर्माण हेतु संरक्षित किया गया। जिला प्रशासन ने ग्राम भूलसीडीह के सरपंच एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की है।

अपना ई-वेस्ट देने के लिए 18008917656 पर कॉल करें

रायपुर। नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र से निकलने वाले ई-वेस्ट को परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य करने हेतु संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर को अनापत्ति जारी किया गया है। तदानुसार संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा आम जनता से ई-वेस्ट संग्रहण हेतु टोल फ्री नम्बर 18008917656 जारी किया गया है। जिसमें काल कर आम जनता अपना ई- वेस्ट दे सकती है तथा इसके एवज में संस्था द्वारा ई-वेस्ट हेतु रेट लिस्ट अनुसार राशि का भुगतान भी किया जा रहा है। वर्तमान में संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र से प्रतिदिन औसतन लगभग 1 टन ई-वेस्ट का परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य किया जा रहा है।

मुरतोंडा आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण

सुकमा। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सिंह एवं जिला टीकाकरण अधिकारी ने मूर्तोंडा स्थित 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' का औचक निरीक्षण किया। प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और महत्वपूर्ण विषयों पर स्टाफ के साथ विस्तृत चर्चा की। एनसीडी स्क्रीनिंग गैर-संचारी रोगों (बीपी, शुगर आदि) की जांच और फॉलोअप में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मातृ-शिशु स्वास्थ्य संस्थागत प्रसव (डिलीवरी) की स्थिति और टीकाकरण के कवरेज की समीक्षा की गई ताकि कोई भी बच्चा सुरक्षा चक्र से न छूटे। मलेरिया रोकथाम पर भी चर्चा हुई।

महिला सुरक्षाकर्मी सह वार्डन हेतु वॉक-इन- इंटरव्यू 5 जनवरी को

सुकमा। जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सुकमा में संचालित बालिका छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु महिला सुरक्षाकर्मी सह वार्डन के एक पद पर नियुक्ति की जाएगी। इस हेतु निर्धारित योग्यता के अनुसार अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। उक्त पद हेतु वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन 05 जनवरी 2026 को किया गया है। इच्छुक एवं योग्य महिला अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को अपने सम्पूर्ण आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर 11 बजे से साक्षात्कार में भाग ले सकती हैं। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सुकमा कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

कांगेर के बाद अब बारनवापारा अभयारण्य में दिखा दुर्लभ ब्लैक कैप किंगफिशर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जैव विविधता से भरपूर बार नवापारा अभयारण्य ने नया रिकार्ड दर्ज किया है। अभयारण्य में पहली बार दुर्लभ ब्लैक-कैप्ड किंगफिशर का अवलोकन दर्ज किया गया है। 29 दिसंबर 2025 की सुबह बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में बर्डर डॉ. दिलीप वर्मा द्वारा ब्लैक-कैप्ड किंगफिशर का दुर्लभ और महत्वपूर्ण अवलोकन दर्ज किया गया।

यह इस प्रजाति का बारनवापारा से पहला प्रमाणित रिकॉर्ड है, जबकि पूरे छत्तीसगढ़ में यह दूसरा पुष्ट अवलोकन माना जा रहा है। डॉ. दिलीप वर्मा द्वारा किए गए इस अवलोकन को फील्ड फोटोग्राफिक साक्ष्यों के साथ विधिवत दस्तावेजीकृत किया गया है, जिससे इसकी वैज्ञानिक पुष्टि संभव हो सकी

है। यह रिकॉर्ड भविष्य में पक्षी-विविधता के अध्ययन, संरक्षण योजना निर्माण तथा अभयारण्य प्रबंधन से जुड़े निर्णयों के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि ब्लैक-कैप्ड किंगफिशर सामान्यत: तटीय एवं मैंग्रोव क्षेत्रों से जुड़ी एक दुर्लभ पक्षी प्रजाति मानी जाती है। आंतरिक भू-भाग में स्थित बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य जैसे क्षेत्र में इसकी उपस्थिति यहाँ की पारिस्थितिक विविधता, जल-आधारित आवासों की उपलब्धता और अनुकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों को दर्शाती है।

इससे पूर्व वर्ष 2024 में इस प्रजाति को कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान में क्रोकोडाइल सर्वे के दौरान दर्ज किया गया था जिसे छत्तीसगढ़ से पहला पुष्ट रिकॉर्ड माना गया था। यह पक्षी प्रेमियों को आनंदित करेगा।

शहद की खेती से अतिरिक्त आय उदय राम बने गांव के प्रेरणास्रोत

अतिरिक्त आमदनी से सुधरी माली हालत, विभाग का मिला भरपूर सहयोग, सालाना 2.5 लाख का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। किसानों की आय बढ़ाने एवं ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किसानों को खेती के साथ मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल किसानों के लिए कम लागत में अधिक लाभ देने वाला वैकल्पिक व्यवसाय बनकर उभरी है।

मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित लाभकारी व्यवसाय है, जिसमें शहद, मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे बहुमूल्य उत्पाद प्राप्त होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बलरामपुर के द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन अपनाने हेतु किसानों को निरंतर प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान की जा रही है।

बलरामपुर जिला के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम मंगरहारा निवासी कृषक उदय राम ने कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर खेती के साथ

मधुमक्खी पालन को अपनाया। प्रारंभ में उन्होंने मात्र 2 मधुमक्खी बक्सों से इस व्यवसाय की शुरुआत की थी, जो आज 20 बक्सों तक पहुँच चुका है। श्री उदय राम की सफलता से प्रेरित होकर ग्राम मंगरहारा के 10 से अधिक परिवारों ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय प्रारंभ किया है और अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। इस प्रकार मधुमक्खी पालन गांव स्तर पर रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

श्री उदय राम वर्तमान में प्रतिवर्ष 400 से 500 किलोग्राम से अधिक गुणवत्तायुक्त शहद का उत्पादन कर रहे हैं। बाजार में उनके शहद की कीमत 500 प्रति किलोग्राम तक मिल रही है। शहद के साथ-साथ मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे उत्पाद भी उन्हें प्राप्त हो रहे हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। श्री उदय राम शहद बेचकर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार बलरामपुर- रामानुजगंज जिले की जलवायु एवं पर्यावरण मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत अनुकूल है। लघु, सीमांत एवं भूमिहीन किसान भी इस व्यवसाय को बिना अतिरिक्त भूमि के प्रारंभ कर सकते हैं।

केवल 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों से भी यह इस काम को सफलतापूर्वक शुरू किया जा सकता है। कम श्रम और सरल प्रक्रिया के कारण महिला और बेरोजगार युवा भी मधुमक्खी पालन को आसानी से अपना सकते हैं। शासन द्वारा मधुमक्खी बक्से पर दी जा रही सब्सिडी इस व्यवसाय को और सुलभ बना रही है।

मनरेगा कुएं के जल से बनी पीएम आवास के लिए ईंटें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले के जनपद पंचायत भैरमगढ़ की ग्राम पंचायत रानीबोदली के निवासी सोमडू ऑडी महात्मा गांधी नरेगा योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन की एक प्रेरक मिसाल हैं।

श्री ऑडी एक छोटे किसान हैं। वर्षा पर निर्भर खेती के कारण वे केवल धान की एक ही फसल ले पाते थे। कम उत्पादन और कम आय के कारण परिवार की जरूरतें पूरी करना उनके लिए कठिन था।

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत सोमडू ऑडी के खेत में कुआं स्वीकृत हुआ। लगभग 3 लाख रुपये की लागत से कुएँ का निर्माण किया गया। गांव के 13 जॉब कार्डधारी परिवारों के 42 श्रमिकों को रोजगार भी मिला।

कुएँ के निर्माण के बाद श्री सोमडू के लगभग 2 एकड़ खेत में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गई। अब वे धान की फसल के बाद सब्जियों की खेती भी करने लगे। परिवार को ताजी सब्जियां मिलने लगीं और अतिरिक्त सब्जियों को बेचकर लगभग 10 हजार रुपये की अतिरिक्त आय हुई।

श्री ऑडी को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में पक्का मकान स्वीकृत हुआ। उन्होंने मनरेगा से बने कुएँ के पानी का उपयोग कर घर पर ही लगभग 35 हजार ईंटों का निर्माण किया। इनमें से 17 हजार ईंटें बेचकर करीब 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की गई। शेष ईंटों का उपयोग किया।

आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' प्रशिक्षण

अंबिकापुर। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत बुधवार को एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत एवं जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में लखनपुर विकासखंड के 95 ग्रामों के सरपंच, स्वच्छग्राही समिति के अध्यक्ष एवं सचिव तथा स्वच्छता दीदियों ने हिस्सा लिया। कचरे के स्रोत पर पृथक्करण, ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा कचरे से आय अर्जन के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत लखनपुर सीईओ डॉ स्वेच्छा सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि सतत प्रक्रिया है, जिसमें जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में 'सुघर लखनपुर अभियान' बीते दिनों से निरंतर संचालित किया जा रहा है।

सियादेवी में अब बैम्बू राफ्ट का रोमांच, बढ़ी सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मनोरम प्राकृतिक वादियों के बीच स्थित सियादेवी जलाशय को इको-टूरिज्म केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। सियादेवी जलाशय का नैसर्गिक सौंदर्य, शांत वातावरण और प्राकृतिक संरचना इसे पर्यटन की दृष्टि से मनोरम स्थल है। गुरूर विकासखंड के ग्राम नारागांव स्थित सियादेवी जलाशय में नवस्थापित एडवेंचर एवं राफ्टिंग सेंटर का शुभारंभ आज कलेक्टर दिव्या मिश्रा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में हुआ।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने

कहा कि यह केन्द्र न केवल जिले के पर्यटन मानचित्र पर एक नया आकर्षण बनेगा, बल्कि इससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सियादेवी जलाशय क्षेत्र का विकास इको-टूरिज्म की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कलेक्टर ने ग्रामीणों से इस पर्यटन स्थल की स्वच्छता, सुरक्षा एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही, क्षेत्रीय विकास एवं नहर मरम्मत के लिए शासन को प्रस्ताव प्रेषित किए जाने की बात कही।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि जिला प्रशासन एवं स्थानीय समुदाय के सहयोग से प्रारंभ किया गया यह एडवेंचर एवं राफ्टिंग सेंटर इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल है।

अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा ने इस पहल को जिले के पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। जनपद पंचायत गुरूर की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता संजय साहू सियादेवी जलाशय क्षेत्र के समग्र विकास का आग्रह किया।

सोंदूर जलाशय में फिर शुरू होगी नौका विहार की सुविधा

धमतरी। सोंदूर जलाशय में नौका विहार बंद होने को लेकर प्रकाशित समाचारों के संबंध में वास्तविक तथ्यों से आमजन को अवगत कराना आवश्यक है, ताकि स्थिति को लेकर किसी प्रकार का भ्रम न रहे। यह स्पष्ट किया जाता है कि नौका विहार का अस्थायी रूप से प्रभावित होना प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर उत्पन्न आपसी मतभेदों के कारण यह स्थिति बनी। सोंदूर जलाशय में नौका विहार का शुभारंभ सितम्बर 2022 में क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। इस पहल के माध्यम से बेलरबाहरा, बरपदर एवं मेचका की वन प्रबंधन समितियों को लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। प्राप्त राशि से आवश्यक पर्यटक सुविधाओं का विकास किया गया।

बिहान योजना से सिवनी की रुखमणी बनी लखपति दीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लखपति दीदी पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम दे रही है।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम सिवनी निवासी रूखमणी पाण्डेय ने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। कभी पूर्णत: घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली रूखमणी पाण्डेय आज प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की नियमित आय अर्जित कर 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं।

कोरोना काल एवं लॉकडाउन के दौरान पशुपालन व्यवसाय में

हुए आर्थिक नुकसान के बाद परिवार की आय का प्रमुख स्रोत प्रभावित हुआ, जिससे आर्थिक चुनौतियां बढ़ीं। इस कठिन समय में श्रीमती रूखमणी पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

आरबीके दीदी के सहयोग से ग्राम सिवनी में महिलाओं ने 'जय अम्बे महिला स्व सहायता समूह' का गठन किया। 25 फरवरी 2020 को गठित यह समूह उन्नति महिला ग्राम संगठन सिवनी तथा बिहान महिला क्लस्टर संगठन कुरदा से संबद्ध है। समूह के माध्यम से बैंक लिंकेज के तहत एक लाख रुपये का ऋण तथा अतिरिक्त समूह ऋण प्राप्त कर उन्होंने पारंपरिक पशुपालन व्यवसाय को पुन: प्रारंभ किया।

जीवामृत व नीमास्त्र से लागत हुई कम, बढ़ा मुनाफा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। जिले के लैलूंगा विकासखण्ड के भकुरा गाँव के किसान स्नातक हैं। उन्होंने खेती को ही अपना भविष्य बनाया और यह साबित कर दिया कि सही सोच और तकनीक से खेती भी लाभ का बड़ा माध्यम बन सकती है। जयकुमार प्राकृतिक खेती के सहारे न केवल निश्चिंत हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भी हैं।

प्राकृतिक खेती कर रहे जयकुमार आज भी पशुधन को खेती की रीढ़ मानते हैं। उनके पास 3 गायें और 2 बैल हैं, जो उनकी खेती की आत्मा हैं। एक ही फसल पर निर्भर न रहकर वे धान, उड़द, मूंगफली और विभिन्न सब्जियों की खेती करते हैं। यह विविधता न केवल आय को सुरक्षित करती है, बल्कि मिट्टी को उर्वर बनाए रखती है।

विज्ञान और परंपरा के संतुलन से वे जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और हरी खाद का उपयोग करते हैं। ढैंचा और सनई जैसी फसलों से हरी खाद, फसलों के अवशेषों से कम्पोस्ट, फेरोमोन ट्रैप, लाइट ट्रैप और ट्राइकोडर्मा जैसे उपाय उनकी खेती को कीट और रोगों से सुरक्षित रखते हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजना नेशनल मिशन ऑन नैचुरल फार्मिंग तथा कृषि विभाग रायगढ़ का मार्गदर्शन उनके काम आया।

उप मुख्यमंत्री ने किया स्क्वायर दो बेलर मशीनों का लोकार्पण

एक घंटे में डेढ़ एकड़ में फैले पैरा का चौकोर बंडल बांधने में सक्षम, बचेगा किसान का समय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर से आधुनिक तकनीक से युक्त 02 स्क्वायर बेलर मशीनों का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मशीनों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं उद्देश्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि स्क्वायर बेलर मशीन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, जो एक घंटे में लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्र में हार्वेस्टर से कटे हुए पैरा को चौकोर बंडल (बेल) के रूप में तैयार करती है। इन बंडलों का उपयोग आगे चलकर गौ-वंश के लिए चारे के रूप में किया जाएगा, जिससे

चारे की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह भी जानकारी दी गई कि स्क्वायर बेलर मशीनों के उपयोग से खेतों में पैरा जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। इससे न केवल किसानों को अवशेष प्रबंधन में सुविधा मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण में कमी और गौ संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चारे के सुव्यवस्थित संग्रहण और परिवहन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसान हित, गौ संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। स्क्वायर बेलर मशीन जैसी पहल से कृषि अवशेषों का सार्थक उपयोग होगा और किसानों को आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों स्तरों पर लाभ मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मशीनों के नियमित, समुचित और प्रभावी उपयोग के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, विजयलक्ष्मी तिवारी, सतविंदर पाहुजा, समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि तथा पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 से, रामकृष्ण मिशन रायपुर में होगी

रायपुर। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर में विवेकानंद जयंती समारोह का आयोजन 12 जनवरी से किया जाएगा। विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। रामकृष्ण मिशन के सचिव योगस्थानंद ने बताया कि विवेकानंद जी की 164वीं जयंती समारोह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आश्रम में हिंदी तिथि के अनुसार स्वामी विवेकानंद का 164 जन्मदिवस उत्सव आश्रम प्रांगण में 10 जनवरी को मनाया जाएगा। सुबह 5 बजे मंगल आरती, 9 बजे हवन 10 बजे विशेष भोग वितरण किया जाएगा। 14 को विश्व शांति के दूत स्वामी विवेकानद पर अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता, 15 को तत्कालीन भाषाण, 16 को अंतर महाविद्यालयीन डिबेट विषय 'सामाजिक समरसता के द्वारा राष्ट्रीय एकता संभव है'। 17 को अंतरमहाविद्यायीन वाद विवाद प्रतियोगिता विषय भारती नारी का आदर्श सीता सावित्री तथा 18 को तत्कालीक भाषण, 19 को भी अंतरमहाविद्यालयीन स्पर्धा, 20 तथा 21 जनवरी को विषय सदन की राय में शिक्षा का उद्देश्य धन प्राप्ति अथवा चरित्र गठन हो, 22 को पाठ आवृत्ति प्रतियोगिता होगी। 25 को पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

2025 के लिए एहसानमंद हैं कियारा आडवाणी नए साल के स्वागत की कर लीं ये तैयारियां

कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर 2025 का सफर दिखाया है। वह नए साल का स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसे लेकर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखी है।

अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। पिछले साल वह मां बनीं। इसे लेकर वह काफी चर्चा में रहीं। हाल ही में कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने तस्वीरों के जरिए 2025 की झलकियां दिखाई हैं। पोस्ट में उन्होंने जिंदगी के एक नए चैप्टर को शुरू करने की बात कही है।

कियारा की पोस्ट में क्या है?

कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह अपने पति के साथ फुर्सत के पल बिता रही हैं। मां बनने पर वह खुश हैं। उन्होंने 'टॉक्सिक' के अपने लुक की तस्वीर भी साझा की है। उन्होंने मेट गाला के अपने लुक को भी दिखाया है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है।

कियारा ने लिखी दिल की बात

तस्वीरें शेयर करते हुए कियारा आडवाणी ने कैप्शन में लिखा '2025, यह वो साल था जब मेरा दिल इस तरह से बड़ा हुआ जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। यह पहला साल था, सीखने का, बनने का, बदलाव का और सबसे प्यारे आशीर्वाद का। हेलो 2026, मेरा दिल तुम्हारे लिए तैयार है। इस नए साल में मैं एहसान, उत्साह और उन सबसे प्यारे छोटे हाथों के साथ कदम रख रही हूं, जिनमें मेरी पूरी दुनिया है।'

ईशान खट्टर ने तस्वीरों और वीडियो के जरिए दिखाया 2025 का सफर, फैंस से कही खास बात; सेलेब्स ने किए कमेंट

कियारा आडवाणी का वर्कफ्रंट

कियारा आडवाणी पर्सनल लाइफ के अलावा प्रोफेशनली भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। 2014 में 'फुगली' से एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के प्रीमियर की तैयारी कर रही हैं। यह फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होने वाली है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म से कियारा आडवाणी का पहला पोस्टर जारी किया है, जिसमें उनका किरदार नादिया दिखाया गया है। इस फिल्म में यश, हुमा कुरैशी और नयनतारा भी होंगी।

जिया शंकर और अभिषेक मलहान की सगाई की खबरें झूठी : एक्ट्रेस ने मिस्ट्री मैन के साथ रिश्ता किया कंफर्म

कुछ दिन पहले बिग बॉस ओटीटी 2 फेम एक्ट्रेस जिया शंकर और इसी शो में रनर अप रहे यूट्यूबर अभिषेक मलहान की सगाई की खबरें आई थीं। लेकिन अब जिया ने इन खबरों को खारिज करते हुए एक फोटो पोस्ट की है बुधवार को जिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सेल्फी पोस्ट की जिसमें वो एक शख्स के साथ नजर आ रही हैं।

हालांकि, जिया ने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की है। सेल्फी में मिस्ट्री मैन जिया के गाल पर किस करते नजर आ रहा है।

इस सेल्फी के साथ जिया ने कैप्शन में लिखा- 'झूठी अफवाहों को 2025 में ही छोड़ दें।' जिया की इस फोटो से साफ हो गया है कि वो न तो अभिषेक को डेट कर रहीं और न ही दोनों की सगाई हुई है।

बता दें कि यूट्यूबर अभिषेक और जिया की सगाई की अफवाह उस वक्त फैलनी शुरू हुईं जब एंटरटेनमेंट अकाउंट टेली खजाना ने ट्वीट किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- 'यह ऑफिशियल है। फुकरा इंसान और जिया शंकर ने अपने रिश्ते को पब्लिक कर दिया है और खबरों के मुताबिक जल्द ही सगाई हो सकती है। इस प्यारे कपल को हमेशा प्यार और खुशी की शुभकामनाएं।'

जिया और अभिषेक की दोस्ती की बात करें तो दोनों को बिग बॉस ओटीटी-2 में देखा गया था। जहां दोनों की बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी। लेकिन शो से बाहर निकलते ही जिया और अभिषेक ने एक-दूसरे को ब्लॉक कर दिया था।

जिया और अभिषेक की शो में काफी अच्छी दोस्ती थी

वेब सीरीज, फिल्में और म्यूजिक वीडियो के लिए काम किया है। जिया का सबसे चर्चित काम रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख के साथ फिल्म 'वेद' में रहा है। इस फिल्म में उन्होंने निशा काटकर के रोल किया था।

'चिरंजीवी हनुमान-द इटरनल' की पहली झलक आई सामने, एआई निर्मित फिल्म में दिखेगी पवन पुत्र हनुमान की कहानी

एआई तकनीक से बनाई गई फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान- द इटरनल' की पहली झलक सामने आ गई। भगवान हनुमान जी के बारे में बताती यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 'चिरंजीवी हनुमान- द इटरनल' को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली भारत की पहली एआई द्वारा निर्मित फिल्म बताया जा रहा है। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

1 मिनट 11 सेकंड के इस फर्स्ट ग्लिम्प्स वीडियो की शुरुआत में झरना और खूबसूरत वादियां दिखती हैं। इसके बाद पर्वतीय गुफाओं के पार पवन पुत्र हनुमान की छवि दिखती है। जंगलों के बीच से कैमरे की जबरदस्त मूवमेंट के बाद पवन पुत्र हनुमान को हवा में विचरण करते हुए दिखाया जाता है। हाथों में गदा लिए हनुमान जी को अभी सिर्फ पीछे से दिखाया गया है। उनका चेहरा अभी सामने नहीं आया है। बैकग्राउंड में हनुमान चालीसा की पंक्तियां भी सुनाई देती हैं। पहली झलक दिखाता ये वीडियो फिल्म को लेकर दर्शकों को उत्साहित जरूर करता है।

'चिरंजीवी हनुमान' को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले निर्देशक राजेश मापुस्कर ने निर्देशित किया है। जबकि फिल्म का निर्माण आलोक जैन, अजीत अंधारे, विजय सुब्रमण्यम और विक्रम मल्होत्रा ने स्टार स्टूडियो 18 के सहयोग से किया है। निर्माताओं ने प्रामाणिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। मेकर्स ने यह प्रयास किया है कि भगवान हनुमान पर आधारित होने के नाते कहानी का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व बना रहा। फिल्म सच्चाई के निकट लगे।

हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़े पहलुओं को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म को 2026 में रिलीज किया जाना है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म को 2026 में हनुमान जयंती के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक पुष्टि नहीं की है।

यश की टॉक्सिक से नयनतारा की पहली झलक आई सामने, गंगा बनकर बरपाएंगी कहर

यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं नए साल से पहले इस फिल्म के मेकर्स ने फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए नयनतारा का फिल्म से पहला लुक जारी कर दिया है। नयनतारा के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। अभिनेत्री ने अपनी दमदार लुक से काफी इम्प्रेस किया है। पोस्टर में नयनतारा एक पावरफिल अवतार में नजर आ रही हैं। इससे पहले यश, कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी के फर्स्ट लुक भी जारी किए जा चुके हैं।

बता दें कि नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर टॉक्सिक से अपने पहले लुक का पोस्टर शेयर किया है जिसमें वह ब्लैक कलर के आउटफिट में हाथों में बंदूक लिए बेहद दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म में नयनतारा के किरदार का नाम गंगा है। पोस्टर से हिंट मिल रहा है कि नयनतारा फिल्म में कुछ एक्शन सीन भी करती दिखेंगी। वहीं टॉक्सिक से नयनतारा का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद फैंस भी अपना रिएक्शन दे रहे हैं एक ने लिखा, लेडी सुपरस्टार नयनतारा गंगा के रूप में इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। एक अन्य ने लिखा, बॉस का इंतजार है।

दिल्ली क्राइम में बड़ी दीदी के किरदार से सबका दिल जीतने वाली हुमा कुरैशी, यश और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में एलिजाबेथ की भूमिका में जान डालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में एलिजाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी का पोस्टर भी जारी किया था। पोस्टर में कुरैशी एक गॉथिक क्वीन, ब्लैक आउटफिट में लिपटी एक डार्क एंजेल की तरह, एक कब्रिस्तान के बैकग्राउंड में एक क्लासिक कार के बगल में खड़ी नज़र आ रही हैं।

फिल्म निर्माताओं ने नादिया के किरदार में कियारा आडवाणी का फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया था। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, बड़ों के लिए एक टॉक्सिक कहानी में नादिया के रूप में कियारा आडवाणी से मिलिए। नादिया के फर्स्ट लुक में कियारा आडवाणी एक बेहद कॉम्पलिकेटेड इमोशंस के साथ नजर आ रही हैं।

टॉक्सिक 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस तारीख के साथ यश और रणवीर सिंह के बीच बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त टक्कर होने वाली है, क्योंकि रणवीर सिंह की एक्शन ड्रामा फिल्म धुरंधर 2 भी उसी दिन रिलीज हो रही है। फिल्म की घोषणा सबसे पहले दिसंबर 2023 में यश 19 के नाम से की गई थी, जो मुख्य भूमिका में यश की 19वीं फिल्म थी।

पार्टी का हैंगओवर कम करने के लिए अपनाएं ये सरल उपाय? तुरंत मिलेगा आराम

अक्सर कुछ लोग नए साल के उमंग में अल्कोहल का सेवन करते हैं, ऐसे में हैंगओवर होना बहुत आम बात है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि हैंगओवर कम करने के लिए क्या उपाय करना चाहिए।

अक्सर पार्टी के जश्न के बाद सिरदर्द, थकान और जी मिचलाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसे हम 'हैंगओवर' कहते हैं। नए साल के उत्सव के माहौल में अक्सर लोग शराब का सेवन कर लेते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शराब हमारी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक होता है, इससे बिल्कुल दूरी बनाकर रखनी चाहिए, इसलिए आप भी न्यू ईयर रेजोल्यूशन में शराब छोड़ने का भी खुद से वादा करें।

फिर भी अगर आप शराब पीते हैं और इससे हैंगओवर हो जाता है तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। दरअसल जब अधिक मात्रा में अल्कोहल का सेवन करते हैं, तो शरीर में एल्डिहाइड नामक पदार्थ बनने लगता है, जो डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी का कारण बनता है।

अल्कोहल एक मूत्रवर्धक है, जो शरीर से पानी तेजी से बाहर निकालता है और मस्तिष्क की कोशिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं, जिससे तेज सिरदर्द महसूस होता है। बहुत से लोग हैंगओवर उतारने के लिए कई तरह के प्रयास करते हैं। अच्छी बात यह है कि घर में मौजूद कुछ प्राकृतिक चीजों और सही आदतों की मदद से आप इस समस्या से तुरंत राहत पा सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि किन कारगर उपायों से आप अपनी सेहत को फिर से ट्रैक पर ला सकते हैं।

हैंगओवर का सबसे मुख्य कारण डिहाइड्रेशन है। उठते ही सबसे पहले भरपूर पानी पिएं। अगर संभव हो तो नारियल पानी या ओआरएस का घोल लें। नारियल पानी में पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी के संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं। ऐसे में नींबू पानी एक बेहतरीन विकल्प है, जो लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

शहद और अदरक का जादू

शराब पीने से ब्लड शुगर लेवल गिर जाता है, जिससे कमजोरी महसूस होती है। शहद में फ्रुक्टोज होता है, जो अल्कोहल के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। वहीं अदरक जी मिचलाने और उल्टी जैसी समस्याओं को रोकने में रामबाण है। अदरक के एक छोटे टुकड़े को चबाएं या इसकी चाय पिएं, यह आपके पाचन तंत्र को तुरंत शांत करता है और भारीपन कम करता है।

नए साल में स्मोकिंग और शराब छोड़ने का लें संकल्प? इन स्टेप्स से आसान होगी आपकी राह

केले और अंडे का सेवन करें

हैंगओवर के दौरान शरीर में पोटेशियम की भारी कमी हो जाती है, जिससे मांसपेशियों में दर्द रहता है। केला पोटेशियम का भंडार है और इसे खाना बहुत आसान है। इसके अलावा नाश्ते में अंडे खाना भी फायदेमंद है क्योंकि इसमें 'सिस्टीन' नामक अमीनो एसिड होता है, जो शराब के जहरीले अवशेषों को खत्म करने में लिवर की सहायता करता है।

भरपूर नींद और ताजी हवा

किसी भी दवा से बेहतर इलाज है आराम। शरीर को शराब के प्रभाव से उबरने के लिए समय चाहिए, इसलिए अंधेरे कमरे में शांत होकर सोएं। उठने के बाद थोड़ी देर ताजी हवा में टहलें। ताजी ऑक्सीजन दिमाग को सक्रिय करेगी और सुस्ती को दूर भगाएगी। ध्यान रखें, हैंगओवर में खाली पेट न रहें, हल्का और पौष्टिक भोजन ही लें।

खास खबर

सरगुजा ओलंपिक 2025-26 से खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक 2025 का आयोजन किया जायेगा। सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। यहां खेल के क्षेत्र में अपार नैसर्गिक क्षमता विद्यमान है। इस क्षेत्र में शासन एवं जनता के मध्य मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित कर यहाँ के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर , खिलाड़ी के रूप में तैयार करने हेतु सरगुजा ओलम्पिक 2025 आयोजन किया जाना है। जिसके लिए प्रतिभागियों से पंजीयन हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है। पंजीयन प्रक्रिया 28 दिसंबर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक किया जायेगा। पंजीयन ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से या ऑफलाईन के माध्यम से की जायेगी। किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु खिलाड़ी कार्यालयीन दिवस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय अधया विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवंबलवीर सिंह के मोबाईल नंबर +91-8319330487 में संपर्क कर सकते है।

अग्निवीर भर्ती रैली इंडोर स्टेडियम धमतरी में 10 से 24 जनवरी तक

धमतरी। भारतीय सेना द्वारा जनवरी 2026 में प्रस्तावित अग्निवीर भर्ती रैली को लेकर तैयारिया तेज हो गई हैं। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा अग्निवीर भर्ती रैली के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। यह भर्ती रैली 10 से 24 जनवरी 2026 तक इंडोर स्टेडियम धमतरी (छत्तीसगढ़) में आयोजित की जाएगी। इस भर्ती रैली में छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 33 जिलों के पुरुष उम्मीदवार भाग लेंगे। रैली के अंतर्गत अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर और अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं एवं 8वीं पास) श्रेणियों की भर्ती की जाएगी। सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि 30 जून 2025 से 10 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) आयोजित किया गया था। इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अब शारीरिक दक्षता परीक्षा और अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में शामिल हो सकेंगे। रैली में भाग लेने वाले योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र और उनकी ईमेल आईडी पर भेज दिया गया है। भर्ती रैली में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज तथा आधार कार्ड से लिंक मोबाइल फोन साथ लाना अनिवार्य होगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और चयन केवल योग्यता के आधार पर किया जाएगा। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए उम्मीदवार वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-2965212, 2965214 में संपर्क कर सकते है।

क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन शिविरः 75 मरीजों की हुई जांच

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में लोरमी विकाखण्ड के सुदूर वनांचल स्थित बैगा ग्राम मौहामाचा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन के लिए जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 75 मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी मरीज 07,सर्दी-खासी 29, दाद खाज खुजली 06, बुखार के 04, हाईपरटेंशन के 02, कमजोरी 10, हाथ पैर दर्द 07, आंख के 02 सहित अन्य 09 मरीजों की जांच कर दवाई एवं आवश्यक परामर्श तथा बचाव संबंधी पाम्पलेट वितरण कर जानकारी दी गई। साथ ही टीबी मरीजों के संदेहास्पद मरीजों का जिसके बलगम सीबीनॉट मशीन में जाँच के लिए एकत्र किया गया।

आईआईटी भिलाई में ट्राइबोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, वैश्विक शोध को नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई में ट्राइबोलॉजी पर 13वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त रूप से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, तथा ट्राइबोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन का विषय ट्राइबोलॉजी फॉर मैनकाइंड रहा, जिसने मानव कल्याण और औद्योगिक प्रगति में ट्राइबोलॉजी की भूमिका को रेखांकित किया।

सम्मेलन के दौरान शिक्षा जगत और उद्योग जगत से जुड़े ट्राइबोलॉजी के अग्रणी विशेषज्ञों द्वारा अनेक पूर्ण सत्र, मुख्य व्याख्यान एवं आमंत्रित वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। इन सत्रों में ट्राइबोलॉजी के नवीन अनुसंधान, तकनीकी विकास और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर व्यापक चर्चा हुई। इसके साथ ही छात्र शोधकर्ताओं ने मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शोध कार्यों का प्रदर्शन किया, जिससे उभरते हुए विद्वानों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने विचार और नवाचार साझा करने का अवसर मिला।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने अंतर्विषयक अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं के बीच संवाद, ज्ञान-विनिमय और सहयोग के बहुमूल्य अवसर प्रदान करते हैं। वहीं, ट्राइबोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रोफेसर सतीश वी. कैलाश ने व्यावहारिक और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने तथा तकनीकी नेटवर्क को सशक्त बनाने में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की भूमिका को रेखांकित किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से 250 से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

शोध की गुणवत्ता और प्रस्तुति उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मौखिक एवं पोस्टर दोनों श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किए गए। कुल मिलाकर, यह सम्मेलन ट्राइबोलॉजी के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान, पेशेवर नेटवर्किंग और सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी और सार्थक मंच सिद्ध हुआ, जिसने भारत की वैश्विक वैज्ञानिक उपस्थिति को और सुदृढ़ किया।

रायपुर में 23 जनवरी से लागू होगी पुलिस आयुक्त प्रणाली, कैबिनेट बैठक में लिया गया फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे बड़ा निर्णय राजधानी रायपुर में पुलिस आयुक्त प्रणाली को लेकर था। बुधवार को हुई बैठक में मंत्रिपरिषद द्वारा रायपुर महानगरीय पुलिस जिला में पुलिस आयुक्त प्रणाली को 23 जनवरी से लागू किए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया है।

बता दें पुलिस आयुक्त प्रणाली एक ऐसी व्यवस्था है जहां बड़े शहरों में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की सभी शक्तियां, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट के कई अधिकार शामिल होते हैं, सीधे पुलिस आयुक्त के पास होती हैं। जिससे पुलिस को त्वरित और एकीकृत निर्णय लेने की शक्ति मिलती है और वे सीधे सरकार को रिपोर्ट करते हैं न कि डीएम को। यह प्रणाली 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में लागू होती है। अब इस प्रणाली को राजधानी रायपुर में लागू करने का निर्णय लिया गया। 23 जनवरी से रायपुर में पुलिस आयुक्त प्रणाली देखने को मिलेगी।

- मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई।
- मंत्रिपरिषद ने कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई।
- मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है।
- मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया।

मंत्री परिषद् के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि ङ्क उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर की गई 40 रू. प्रति क्विंटल सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता हेतु अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी
- मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी। इन संशोधनों से राज्य में निवेश की गुणवत्ता बढ़ेगी, स्थायी रोजगार सृजन होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।
- मंत्रिपरिषद ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित 9वें ऑटो एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफटाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में कस्टम मिलिंग के लिए धान उपार्जन एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों के लिए राइस मिलर्स द्वारा दी जाने वाली बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नवीन पद वेतन मेट्रिक्स लेवल-14 एक वर्ष की अवधि के लिए स्थायी रूप से निर्मित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

एचएनएलयू रायपुर करेगा अंतरराष्ट्रीय व्यापार विधि शिखर सम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व व्यापार संगठन (वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन—डब्ल्यूटीओ) की स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर, अपने स्कूल ऑफ लॉ एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत स्थापित सेंटर फॉर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन एंड वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन स्टडीज़ के माध्यम से 2 से 4 अक्टूबर, 2026 तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार विधि शिखर सम्मेलन डब्ल्यूटीओ-30 समिट का आयोजन करेगा।

यह शिखर सम्मेलन वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यंग ट्रेड लीडर्स प्रोग्राम तथा सेंटर फॉर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, डब्ल्यूटीओ चेयर्स प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यंग ट्रेड लीडर्स प्रोग्राम की प्रमुख आउटरीच पहल के रूप में परिकल्पित इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक व्यापार के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा छात्रों, युवा पेशेवरों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और प्रैक्टिशनर्स के लिए अकादमिक एवं व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करना है।

मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व, विश्वविद्यालय 6 फरवरी, 2026 को वैश्विक व्यापार में करियर, डब्ल्यूटीओ की 30-वर्षीय विरासत और भविष्य की दिशाएँ विषय पर एक दिवसीय प्री-समिट अंतरराष्ट्रीय कोलॉक्वियम का आयोजन करेगा। यह कोलॉक्वियम छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षाविदों और व्यापार विशेषज्ञों के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार विधि एवं नीति के क्षेत्र में उभरते रुझानों, आवश्यक कौशलों और विकसित हो रहे करियर मार्गों पर सार्थक विमर्श का मंच प्रदान करेगा। कोलॉक्वियम का प्रमुख आकर्षण मीट द यंग ट्रेड लीडर शीर्षक से आयोजित एक विशेष प्रत्यक्ष संवाद सत्र होगा।

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में ग्रामीण निकायों के लिए जारी की 224 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि

- **राज्य की 11279 पात्र ग्राम पंचायतों, 138 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 26 पात्र जिला पंचायतों को मिलेगा लाभ**

श्रीकंचनपथ न्यूज

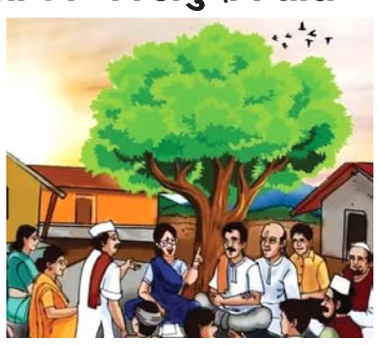

रायपुर। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की अनटाइड अनुदान की प्रथम किस्त के रूप में 224.5762 करोड़ की राशि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए जारी की है। यह अनुदान राज्य की 11279 पात्र ग्राम पंचायतों, 138 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 26 पात्र जिला पंचायतों के लिए है।

भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)/ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) के लिए राज्यों को पंद्रहवें वित्त वर्ष के अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है। आवंटित अनुदान एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में जारी किए जाते हैं। अनटाइड अनुदानों का उपयोग पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)/ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) द्वारा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित उनतीस विषयों के अंतर्गत, वेतन और अन्य स्थापना व्ययों को छोड़कर, स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। टाइड अनुदानों का उपयोग (क) स्वच्छता और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति के रखरखाव के लिए किया जा सकता है, जिसमें घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन और उपचार, विशेष रूप से मानव मल और मल कीचड़ प्रबंधन शामिल होना चाहिए, और (ख) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण जैसी बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया पशु रेस्क्यु वाहन लोकार्पण

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर के समीप पशु संरक्षण एवं संवेदनशील सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पशु रेस्क्यु वाहन का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया। यह पशु रेस्क्यु वाहन विधायक मद से 13 लाख 60 हजार रुपये की लागत से क्रय किया गया है। लोकार्पण अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से वाहन की विशेषताओं, उपयोगिता एवं संचालन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मौके पर ही कर्मचारियों से वाहन का परीक्षण भी कराया तथा घायल पशुओं को सुरक्षित तरीके से वाहन में लाने एवं ले जाने की पूरी प्रक्रिया देखी।

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट ङ्क एनआईबीएसएम), रायपुर में स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 31 दिसंबर 2025) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पखवाड़े में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, किसानों, युवाओं तथा स्थानीय समुदाय की व्यापक और उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता शपथ, संस्थान एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, कचरे से धन विषय पर जन-जागरूकता गतिविधियाँ, प्लास्टिक कचरा उन्मूलन हेतु श्रमदान, ग्राम संपर्क कार्यक्रम, किसान दिवस समारोह, हस्ताक्षर अभियान, प्लॉगिंग कार्यक्रम, वॉकथॉन तथा विभिन्न सामुदायिक लामबंदी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन के रूप में स्थापित करने का प्रभावी प्रयास किया गया।

आयोजित गतिविधियाँ स्वच्छ भारत मिशन की भावना और उद्देश्यों के अनुरूप रहीं, जिनका उद्देश्य स्वच्छता, सतत स्वच्छता पद्धतियों, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक सहभागिता के प्रति जन-जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करना था। कार्यक्रमों ने स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के प्रति प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर संस्थान परिवार एवं सहभागियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छ, हरित और सतत भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह आयोजन न केवल स्वच्छता के संदेश को मजबूती देने में सफल रहा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट करने का सशक्त उदाहरण भी बना।

जल संरक्षण से आय संवर्धन तक : धमतरी की रबी फसलों की सफलता

- **सरसों और मसूर में विस्तार, दलहनङ्कतिलहन को मिला बढ़ा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। वर्ष 2025-26 में जिला धमतरी ने कृषि विविधीकरण, जल संरक्षण और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के सुनियोजित प्रयासों से परंपरागत फसल चक्र से आगे बढ़ते हुए कम पानी वाली, अधिक लाभकारी रबी फसलों को प्रोत्साहित किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं।

जिले में ग्रीष्मकालीन धान के अत्यधिक जल उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2024ङ्क25 में 24,200 हेक्टेयर में आच्छादित क्षेत्र को रबी वर्ष 2025ङ्क26 में घटाकर 15,000 हेक्टेयर तक लाने की ठोस कार्ययोजना बनाई गई है। इससे भू-जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर प्रेरित किया गया है। फसल चक्र परिवर्तन का प्रभाव मूंगफली उत्पादन में विशेष रूप से देखने को मिला है। जहां गत वर्ष मात्र 10 एकड़ में मूंगफली की खेती की गई थी, वहीं इस वर्ष विकासखंड मगरलोड के बुढ़ेनी क्लस्टर में 275 एकड़ क्षेत्र में मूंगफली की खेती की जा रही है। यह परिवर्तन किसानों की सोच में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। इसी प्रकार मक्का फसल का रकबा भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। गत वर्ष 430 हेक्टेयर में मक्का की खेती की गई थी, जिसे बढ़ाकर इस वर्ष 699 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। विकासखंड नगरी के गट्टासिल्ली, बोराई एवं उमरगांव क्लस्टर मक्का उत्पादन के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं।

चना उत्पादन में भी जिले ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। गत वर्ष 15,830 हेक्टेयर में चना बोया गया था, जो इस वर्ष बढ़कर 16,189 हेक्टेयर हो गया है। विकासखंड कुरूद एवं धमतरी में 600 से 1200 हेक्टेयर के बड़े-बड़े चना क्लस्टर विकसित किए गए हैं, जिससे उत्पादन के साथ विपणन की संभावनाएं भी सुदृढ़ हुई हैं।

तेलहन और दलहन फसलों को बढ़ावा देते हुए सरसों का रकबा 2,590 हेक्टेयर से बढ़ाकर 4,660 हेक्टेयर तथा मसूर का रकबा 50 हेक्टेयर से बढ़ाकर 211 हेक्टेयर किया गया है। वहीं लघु धान्य अंतर्गत रागी फसल का क्षेत्र 10 हेक्टेयर से बढ़कर 150 हेक्टेयर तक पहुंचना जिले की प्रगतिशील सोच का प्रमाण है। समग्र रूप से रबी वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले ने योजनाबद्ध कृषि विकास, फसल विविधीकरण और किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से एक प्रेरणादायी है। जो आने वाले वर्षों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा ।

नववर्ष पर कलेक्टर एवं एसपी का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर जिले के समस्त नागरिकों को असीम शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। कलेक्टर एस जयवर्धन ने अपने नववर्ष संदेश में कहा कि बीता वर्ष हमारे विकास और प्रगति का वर्ष रहा, नववर्ष नई ऊर्जा, नई उम्मीद और नये संकल्प के साथ हमारे द्वारा पर दस्तक दे रहा है। नव वर्ष हमारे लिए नई संभावनाओं, नई आशाओं और नए संकल्पों का प्रतीक है। आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस वर्ष हम अपने जिले को और अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाएंगे।

इसके साथ ही उन्होने जिलेवासियों से अपील की कि नववर्ष के उपलक्ष्य पर सभी यातायात नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा का प्राथमिकता दें। मदिरापान इत्यादि से बचें और सुरक्षित माहौल मे नववर्ष का आंनद ले। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करें और अपने परिवार व जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि जिले का समग्र विकास नागरिकों की सहभागिता से ही संभव है, इसलिए सभी लोग एकता और भाईचारे के साथ सामुदायिक विकास में सक्रिय योगदान दें।

पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने भी कहा कि जिला एवं पुलिस प्रशासन जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जिलेवासियों से शांति, सुरक्षा और विकास में सहयोग करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का साथ देने की अपील की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कामना की कि नववर्ष 2026 सूरजपुर जिले के लिए प्रगति, सौहार्द और खुशहाली का वर्ष सिद्ध हो।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कार पलटने से किशोर की मौके पर हुई मौत, दो गंभीर

सुंदरगढ़। सुंदरगढ़-एमसीएल सड़क पर बंधापाली आईबी पुल के पास मंगलवार की शाम करीब 7:30 बजे सड़क दुर्घटना में 17 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान सम्पन्न पाणिग्रही (17) के रूप में हुई है। वह सुंदरगढ़ शहर के पत्रापड़ा स्थित विजय टॉकीज रोड का निवासी था। शहर में उसका एक रेस्टोरेंट भी संचालित था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार(ऑडी 01 जे -5916) में सवार तीनों लोग बंधापाली की ओर से सुंदरगढ़ आ रहे थे। पुल से कुछ पहले एक मोड़ पर कार का संतुलन बिगड़ गया। इस से वाहन सड़क पर पलट गया। हादसे में सम्पन्न पाणिग्रही कार के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

महिलाएं डंडा लेकर पहुंचीं तो भागे महुआ शराब बनाने वाले

कोरबा। पिकनिक के सीजन के साथ ही नए साल के मौके पर सतरेंगा में पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। घूमने के लिए पहुंचे लोगों को महुआ शराब भी उपलब्ध हो रही है। जबकि सतरेंगा में पर्यटन की शुरूआत होने के बाद शराबखोरी के कारण अशांति की स्थिति निर्मित होने पर ग्रामीणों द्वारा नशाबंदी लागू है। ऐसे में सतरेंगा की महिला समिति ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था के लिए गांव के आसपास छिपकर अवैध महुआ शराब बनाने व बेचने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसके तहत बुधवार को महिला समिति के साथ गांव के प्रमुखजन आसपास के जंगल-पहाड़ में पहुंचे। हाथ में डंडा लिए पहुंची महिलाओं को देखकर महुआ शराब बनाने में जुटे लोग वहां से भाग खड़े हुए। जिसके बाद महिलाओं ने भट्टी में चढ़ाकर बनाए जा रहे और छिपाए गए महुआ शराब को खोज-खोजकर नष्ट किया।

गर्भवती को सांप ने डसा अस्पताल ले जाते हुई मौत

कोरबा। घर के आंगन में स्थित टॉयलेट जा रही एक गर्भवती महिला को सांप (कोबरा) ने डस लिया। अस्पताल लाते समय रास्ते में महिला की मौत हो गई। करतला थाना अंतर्गत बोतली के आश्रित ग्राम टेंगरमार निवासी फिरतु राम मांझी काम करने के लिए केराकछार गया था। उस दौरान घर पर उसकी नवविवाहिता पत्नी राधिका (23) व अन्य परिजन मौजूद थे। 8 माह की गर्भवती राधिका दोपहर में घर के आंगन में बने टॉयलेट में जा रही थी। रास्ते से गुजर रहे सांप (कोबरा) के ऊपर उसका बांया पैर पड़ गया। सांप राधिका के पैर से लिपट गया और फन फैलाकर 3 जगह काट दिया। उसके चीखने पर परिजन मौके पर पहुचे, जिन्होंने सांप को भागते हुए देखा। मृतका राधिका के पति फिरत राम के मुताबिक 10 माह पहले 21 फरवरी को उसकी शादी राधिका के संग हुई थी। 2 माह बाद राधिका गर्भवती हो गई थी। गर्भावस्था का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा था। फिरत राम ने बताया कि उसकी पत्नी को डसने वाला सांप पिछले कुछ दिनों से उसके घर के आसपास बाड़ी में देखा जा रहा था।

खेत में मिली महिला की लाश, शिनाख्त नहीं हुई

कोरबा। रजगामार चौकी अंतर्गत कोरकोमा गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे पानी भरे खेत में मंगलवार को एक महिला की लाश मिली। खेत की ओर पहुंचे ग्रामीण ने लाश देखकर ग्रामीणों को जानकारी दी। बाद में सरपंच ने रजगामार पुलिस को सूचना दी। चौकी प्रभारी लक्ष्मण खुंटे टीम के साथ पहुंचे। शव को खेत से बाहर निकलवाया गया। आसपास गांव में मुनादी के बाद भी 40-50 वर्षीय उक्त मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी। जिसके बाद उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस मामले को संदिग्ध मानते जांच कर रही है। मृतका की शिनाख्त के लिए जिले के साथ ही आसपास के जिलों की पुलिस को सूचना दी गई है।ह्यह्य

दुर्ग में म्यूल एकाउंट गैंग पर बड़ी कार्रवाई

20-20 हजार में खरीदे 78 एटीएम, 5 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस को म्यूल एकाउंट वाले गैंग को पकड़ने में सफलता मिली है। दुर्ग पुलिस ने मुंबई जा रहे पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 78 एटीएम बरामद किए हैं। इन 78 एटीएम को आरोपियों द्वारा 20-20 हजार रुपए में खरीदा गया था। इन खातों का इस्तेमाल बेटिंग, ऑनलाइन सट्टा और साइबर फ्रॉड के लिए किया जा रहा था। आरोपियों के पास से पुलिस ने 21 चेकबुक भी बरामद किया है। इस मामले में और भी राज खुलने बाकी हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

बता दें दुर्ग में म्यूल खातों से जुड़ें मामले पहले भी सामने आ चुके हैं और इस मामले में अलग अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई भी की गई है। समय समय पर इस संबंध में शिकायतें भी मिल रही थी। इस मामले में बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में एएसपी सुखनंदन राठौर और सीएसपी दुर्ग हर्षित मेहर ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक शिकायत पद्मनाभपुर थाने में 30 दिसंबर 2025 को एक खाताधारक ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि, उसकी मोबाइल दुकान में अमित मिश्रा मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता था। इसी दौरान अमित मिश्रा के परिचय से लोकेश जाधव उर्फ लक्की दुकान पर आने-जाने लगा।

कुछ महीने पहले लोकेश ने उसे यह कहकर झांसे में लिया कि उसके भाई टवन कुमार का बाहर से पैसा आने वाला है, लेकिन उसके पास बैंक खाता नहीं है। बदले में 20 हजार रुपए का लालच देकर उसने बैंक खाता इस्तेमाल करने की अनुमति ले ली। उसने एक्सिस बैंक महाराजा चौक शाखा और आईडीबीआई बैंक कुम्हारी शाखा का खाता लोकेश को दे दिया। कुछ दिन बाद उसका खाता फ्रीज हो गया जिससे उसे ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर जांच शुरू की गई। एफआईआर की जानकारी मिलते ही मुख्य आरोपी लोकेश जाधव महाराष्ट्र के कल्याण भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसे दुर्ग बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से 33 एटीएम और क्रेडिट कार्ड, 15 चेकबुक, 9 पासबुक और 12 सिम कार्ड बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी लोकेश ने बताया कि वो अपने बड़े भाई टवन कुमार जाधव के साथ मिलकर म्यूल अकाउंट सप्लाई का काम करता है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने प्रगति मैदान बोरसी स्थित टवन जाधव के घर दबिश दी। घर की तलाशी में 28 एटीएम, क्रेडिट कार्ड, 8 चेकबुक, 8 पासबुक और 4 सिम कार्ड बरामद हुए। इस मामले में पुलिस ने विनय सिंह सेंगर, राजू गायकवाड और अमित मिश्रा को भी गिरफ्तार कर लिया।खातों को मुंबई किया जा रहा था सप्लाई

पुलिस की पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि इन खातों को मुंबई सप्लाई किया जा रहा था। सभी आरोपी अलग-अलग लोगों के बैंक खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड जुटाकर साइबर ठगों को सप्लाई करते थे। पुलिस ने आरोपियों से कुल 78 एटीएम, क्रेडिट कार्ड, 21 चेकबुक, 18 पासबुक और 16 कई कंपनियों के सिम कार्ड जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना पद्मनाभपुर में अपराध दर्ज कर सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दिल्ली के फर्जी कॉल-सेंटर का बस्तर पुलिस ने किया भंडाफोड़

बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगे 20 लाख, 4 युवतियों समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ में बस्तर पुलिस ने दिल्ली में स्थित फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कॉल सेंटर के माध्यम से इंश्योरेंस के नाम पर बस्तर जिले के एक युवक से करीब 20 लाख रुपए ठगे थे। मामले की एफआईआर के बाद पुलिस दिल्ली पहुंची। जहां से 4 युवतियों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला नगरनार थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, एक युवक ने थाने में एफआईआर दर्ज करवाई की बीमा अभिकर्ता अंचल हिल के माध्यम से बजाज एलियांज इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की बीमा पॉलिसी फ्यूचर गेन साल 2020 में लिया था। जिसमें मुझे एजेंट ने जानकारी दी कि एकमुश्त एक लाख रुपए जमा किए जाने पर 10 साल बाद रकम दोगुना प्राप्त होगी।

अच्छा मुनाफा का लालच देकर तरह-तरह के प्रोसेसिंग फीस भुगतान करने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपए अलग-अलग खाते में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करवाकर धोखाधड़ी की गई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज किया। जिसके बाद एसपी शलभ सिन्हा ने जवानों की एक टीम बनाई। मामला साइबर सेल से जुड़ा हुआ था।

मोबाइल, टेलीफोन, लैपटॉप और अन्य सामान बरामद किया गया। मौके से 5 आरोपियों को पकड़ा गया। जिसके बाद साइबर सेल प्रभारी डीएसपी गीतिका साहू के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने बैंक ट्रांजेक्शन, खातों की जांच, सिम की जांच की। जिसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम को दिल्ली भेजा गया।

जहां जनकपुरी में स्थित कॉल सेंटर पहुंचकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अपना नाम ओम प्रकाश गुप्ता, दक्षा उर्फ नेहा, शिखा गुप्ता, खुशी और अंजली चौधरी बताया।

एसपी बोले- अनजान कॉल पर विश्वास न करें

एसपी शलभ सिन्हा ने कहा कि, मौके से इनके पास से 6 मोबाइल, अलग-अलग बैंक के खाते, 2 रजिस्टर, वायरलेस, डीवीआर समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इंश्योरेंस के लिए किसी भी अनजान के कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें। साथ ही निजी जानकारी किसी के भी साथ शेयर न करें।

115 लीटर महुआ शराब, 500 किलो लाहान जब्त; 5 भट्टियों को किया नष्ट

सक्ती में अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में नववर्ष और आगामी छेरछेरा पर्व से पहले आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। 31 दिसंबर को आबकारी वृत्त सक्ती की संयुक्त टीम ने ग्राम जुड़गा में एक अवैध महुआ शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नववर्ष के अवसर पर ग्राम जुड़गा के नाले किनारे अवैध रूप से महुआ शराब बनाने की फैक्ट्री संचालित हो रही है। सूचना मिलते ही तत्काल एक टीम गठित कर नाले किनारे दबिश दी गई।

आबकारी टीम की दबिश पर संदिग्ध फरार

आबकारी टीम को देखते ही कुछ संदिग्ध व्यक्ति मौके से फरार हो गए। दबिश के दौरान मौके से महुआ शराब बनाने की पांच चालू भट्टियां बरामद की गईं। इसके अलावा झाड़ियों में छुपाकर रखी गई लगभग 115 लीटर महुआ शराब जब्त की गई।

सैकड़ों लीटर शराब बनने से रोका

शराब निर्माण में प्रयुक्त 20 बोरियों में भरा करीब 500 किलोग्राम महुआ लाहन मौके पर सैंपल लेकर नष्ट किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस लाहन से सैकड़ों लीटर अवैध महुआ शराब तैयार की जा सकती थी।

दूर-दराज के नालों और जंगलों में सक्रिय माफिया

आबकारी विभाग ने बताया कि लगातार कार्रवाई के कारण अब शराब माफिया घरों के बजाय दूर-दराज के नालों और जंगलों में अवैध निर्माण कर रहे हैं। विभाग की सतत निगरानी और दबिश आगे भी जारी रहेगी।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में मध्यप्रदेश निर्मित अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। नव वर्ष के आगमन के साथ ही गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में अवैध शराब के कारोबार पर आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 31 दिसंबर की देर शाम, कोटमी कला इलाके में संचालित पैराडाइज डेली नीड्स दुकान से मध्यप्रदेश निर्मित भारी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त की गई है। इस कार्रवाई के दौरान विभाग ने मुख्य आरोपी को फरार बताया है, जबकि उसके एक सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिरों से मिली सटीक सूचना के आधार पर, आबकारी विभाग की टीम ने दुकान में दबिश दी। मौके पर तलाशी के दौरान, विभाग को बड़ी मात्रा में अवैध शराब मिली। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 148.40 लीटर बताई जा रही है। इसमें 475 नग पाव व्हिस्की, 173 नग पाव बैगपाइपर व्हिस्की, 56 नग पाव रॉयल स्टैज व्हिस्की, 45 नग पाव मैकडॉवेल्स नंबर-1 रम, 06 नग पाव ओल्ड मोंक रम और 25 नग डेन पावर दस हजार बीयर शामिल हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

तिजोरी नहीं खुली तो 400 मीटर दूर छोड़कर भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। सोमवार को ढिमरापुर क्षेत्र की रिहायशी कॉलोनी में चोरी की घटना सामने आई। चोरों ने सूने घर से तिजोरी उठा ली। घर में रहने वाला परिवार 27 दिसंबर से रायपुर घूमने गया था।

इस दौरान घर खाली था, जिसका फायदा उठाकर चोरी को अंजाम दिया गया। शिकायत के बाद पुलिस जांच करने पहुंची तो घर अंदर से बंद था और पीछे की खिड़की टूटी हुई मिली। घर से करीब 400 मीटर दूर झाड़ियों में चोरी की गई तिजोरी मिली।

अंदेशा है कि चोर तिजोरी नहीं खोल पाए और उसे वहीं फेंककर भाग गए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदेहियों से पूछताछ कर रही है। फ्रेंडस कॉलोनी के मकान नंबर 19 में रहने वाले आलोक अग्रवाल (37) पूरे परिवार के साथ शनिवार को रायपुर गए थे। सोमवार को लौटना था। उन्होंने काम वाली बाई को सफाई करने कहा था। जब बाई दोपहर 3 बजे पहुंची तो बाहर ताला लगा था। दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण नहीं खुला। उसने आलोक को जानकारी दी। रिश्तेदार मौके पर पहुंचे तो पीछे की खिड़की का ग्रिल टूटा मिला। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। सूने घर से चोर तिजोरी उठाकर ले गए। पुलिस जांच के दौरान घर के पीछे झाड़ियों में तिजोरी मिली।

चोर उसे खोल नहीं पाए और वहीं छोड़कर फरार हो गए। इसमें करीब ढाई लाख रुपए और लगभग 50 तोला सोने-चांदी के जेवर थे।

बिलासपुर नगर निगम का आरआई निलंबित

14 लाख टैक्स घोटाले में हुई कार्रवाई, निगम कमिश्नर ने वसूली के निर्देश दिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 2 के राजस्व निरीक्षक (आरआई) रामनारायण देवांगन को निलंबित कर दिया गया है। उन पर 14.18 लाख रुपए के टैक्स घोटाले का आरोप है। निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने यह कार्रवाई की है।

रामनारायण देवांगन पर वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान संपत्तिकर, समेकित कर और यूजर चार्ज के रूप में वसूल की गई 14,18,207 रुपए की राशि को निकाय कोष में जमा न करने का आरोप है। इसे गंभीर आर्थिक अनियमितता माना गया है।

नियम 9 के तहत कार्रवाई

इस अनियमितता के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 1966 के नियम 09 (1) (ख) के तहत आरआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निगम कमिश्नर ने रामनारायण देवांगन से समस्त बकाया राशि वसूलने के निर्देश दिए हैं।

ऑडिट में सामने आया घोटाला

राशि जमा न होने की स्थिति में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। यह घोटाला नगर निगम के आंतरिक ऑडिट (इंटरनल ऑडिट) में सामने आया। वर्तमान में वर्ष 2023-24 का ऑडिट चल रहा था, जिसमें जोन क्रमांक-2 में राजस्व कर की इस बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ।

जांच रिपोर्ट के बाद निलंबन

ऑडिट रिपोर्ट निगम आयुक्त को सौंपे जाने के बाद, आयुक्त ने संयुक्त संचालक वित्त के नेतृत्व में मामले की जांच कराई। जांच रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद ही निगम कमिश्नर ने निलंबन की यह कार्रवाई की है।

एकलव्य में दौड़ स्पर्धा के दौरान छात्र की मौत

सुंदरगढ़। सुंदरगढ़ जिले के भवानीपुर स्थित एकलव्य मॉडल स्कूल में बुधवार 31 दिसंबर को आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पूर्वाह्न लगभग 11 बजे दौड़ प्रतियोगिता में भाग ले रहा छात्र अचानक मैदान में गिर पड़ा। इसके बाद उसकी मौत हो गई। मृत छात्र की पहचान जयदेव बेक, प्लस टू प्रथम वर्ष (विज्ञान) के छात्र के रूप में की गई है। जयदेव बेक दौड़ प्रतियोगिता में शामिल था, तभी अचानक वह जमीन पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद शिक्षकों ने तत्काल उसे सुंदरगढ़ सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 8280 /नि.प्र. क्र.-14/लो.नि.वि./2025-26 दुर्ग, दिनांक 30/12/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 09/01/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19/01/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 20/01/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0153	Providing & Fixing E/F work to Proposed 1st Floor of Painting Faculty at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Campus-01, Khairagarh, District KCG	7.97 Lacs
(2) T0154	Providing & Fixing E/F work to Proposed 1st Floor of VVIP Guest House at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Campus-01, Khairagarh, District KCG	5.19 Lacs
(3) T0155	Providing & Fixing E/F work to Proposed Additional Rooms in First Floor of Guest House at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Campus-01, Khairagarh, District KCG	1.09 Lacs
(4) T0156	Providing & Fixing Air Conditioners, R.O., Geyser at Rest House Khairagarh under PWD (E/M) Sub Division Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai	1.54 Lacs
(5) T0157	Providing & Fixing Air Conditioners at Rest House Chhuikhadan under PWD (E/M) Sub Division Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai	1.13 Lacs
(6) T0158	Providing & Fixing Electrification work Court Building First Floor at Khairagarh, District KCG	8.14 Lacs
(7) T0159	Shifting LT Line for Road widening at Retegaon to Muchar Road Manpur, District MMAC	0.92 Lacs
(8) T0160	Shifting 11KV Line and LT Line for Road widening at Manpur to Baseli-Madonwada Karekatta-Sitagaon, District MMAC	5.68 Lacs
(9) T0161	Providing E/F RO (Water Purifier) and Water Cooler at Civil Court Patan and Dhamdha, District Durg	1.79 Lacs
(10) T0162	S/R for Providing E/F work for Area Lighting in Rest House Sambalpur, Block Dondilohara District Balod (2nd Call)	1.90 Lacs
(11) T0163	S/R for Providing E/F work for Area Lighting in Rest House Gurur, Block Gurur District Balod (2nd Call)	1.90 Lacs
(12) T0164	Annual Electrification Repair work in Rest House Nandghat at District Bemetara (2nd Call)	0.74 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप:- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

G-252605764/4

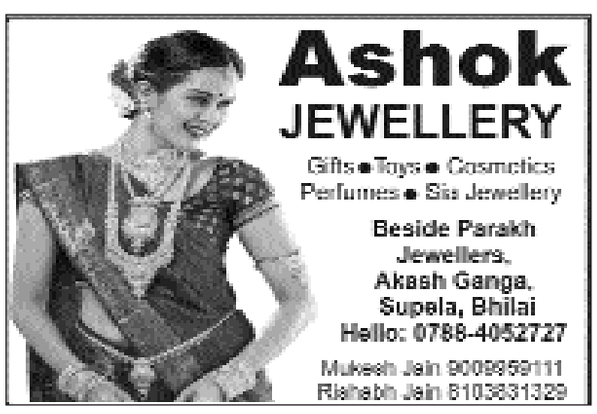

प्रमुख खबरें

राशनकार्ड में सभी सदस्यों का ई-केव्यासी अनिवार्य

रायपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सभी राशनकार्डधारी परिवारों के प्रत्येक सदस्य का आधार आधारित ई-केव्यासी कराना अनिवार्य किया गया है। जिन परिवारों के कुछ सदस्यों का ई-केव्यासी अब तक नहीं हुआ है, वे शीघ्र ही अपनी नजदीकी शासकीय उचित मूल्य (राशन) दुकान में जाकर ई-केव्यासी करवा लें, ताकि भविष्य में राशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। खाद्य विभाग के अनुसार जिले में कुल 22,04,430 राशनकार्डधारी सदस्यों में से 18,67,768 सदस्यों का ई-केव्यासी पूर्ण हो चुका है, जबकि अभी भी 3,36,662 सदस्यों का ई-केवायसी शेष है। फिंगरप्रिंट नहीं आने पर फेस ऑथेंटिकेशन अथवा अन्य वैकल्पिक सत्यापन व्यवस्था उपलब्ध हैं।

विस्थापितों के लिए उतरदा में बनेगी मॉडल टाउनशिप

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के दीपका क्षेत्र द्वारा ग्राम हरदीबाजार के विस्थापित परिवारों के लिए उतरदा में एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं आदर्श पुनर्वास एवं पुनर्वसन टाउनशिप विकसित की जा रही है। यह टाउनशिप लगभग 46 हेक्टेयर अर्जित भूमि पर बसाई जा रही है, जिसे तकनीकी विशेषज्ञों एवं आर्किटेक्ट्स द्वारा मॉडल साइट के रूप में डिजाइन किया गया है। यह जानकारी एसईसीएल दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने दी।

पीवीटीजी घरों को प्राथमिकता के आधार पर पीएम सूर्यघर

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने समय-सीमा की बैठक लेकर शासन की फ्लैगशिप योजनाओं तथा पीएमओ-जन शिकायत, मुख्यमंत्री जनदर्शन और कलेक्टर जनदर्शन अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री दुदावत ने जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) परिवारों के आवासों में पीएम सूर्यघर योजना अंतर्गत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करने के आदेश दिए। साथ ही प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप सोलर सिस्टम निर्धारित समय सीमा में स्थापित किए जाएं।

बाल विवाह मुक्त समाज के लिए कोदई माता मेला में चलाया विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। कलेक्टर संबंधित मिश्रा के निर्देशन में ग्राम पंचायत इटपाल के जैतालुर कोदई माता मेला परिसर मे बाल-विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बाल-विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों की जानकारी आमजन को दी गई तथा बाल अधिकारों, किशोर-किशोरियों के स्वस्थ भविष्य तथा कानून प्रावधानों से जनता को अवगत कराया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बाल-विवाह प्रतिबंध अधिनियम की जानकारी, बाल विवाह के कानूनी परिणाम, बालिकाओं के शिक्षा-अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी लाभकारी योजनाओं की रूपरेखा तथा

सरकारी प्रयासों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही ग्रामीण समुदाय, अभिभावकों, महिला समूहों एवं युवाओं से बाल-विवाह न कराने एवं बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को देने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि बाल-विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। अतः समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह बाल-विवाह उन्मूलन में सहयोग प्रदान करे। मेले में आए ग्रामीणों, महिलाओं, किशोर-किशोरियों तथा सामाजिक संगठनों ने अभियान के प्रति सकारात्मक रुझान दर्शाते हुए पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

आदिवासी अंचलों तक पहुंची स्वास्थ्य सुविधा साय ने 57 मेडिकल यूनिट्स को किया रवाना

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों के 2100 से अधिक गांवों तक पहुंचेगी मोबाइल मेडिकल यूनिट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दूरस्थ और घने वनांचल वाले आदिवासी क्षेत्रों में अब स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों के दरवाजे तक पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमन के तहत बुधवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों के संचालन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकार का मानना है कि दुर्गम अंचलों में रहने वाले समुदायों को अस्पताल तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यह व्यवस्था स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे उनके गाँवों व बसाहटों तक पहुँचाएगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों की तैनाती से प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएँगी। इससे दो लाख से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (ब्हुजन) आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए अब इलाज और जाँच की सुविधा गाँव में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को आदिवासी समुदायों की सर्वांगीण भागीदारी और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस आधार बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का दिन है। समाज में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रत्येक दृष्टिकोण से पिछड़े लोग विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग हैं। छत्तीसगढ़ में निवासरत 3 करोड़ की आबादी में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 लाख 30 हजार लोग 18 जिलों के 21 सौ बसाहटों में निवासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट उनके लिए वरदान साबित होगा। इन सर्वसुविधा-संपन्न 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से यह कार्य आसान होगा। इस यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्निशियन और वालंटियर होंगे। इस यूनिट में 25 तरह की जाँच सुविधाएँ तथा 106 तरह की दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस नवीन योजना के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दीं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जाति के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रयासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट ऐसे सुदूर वनांचलों के लिए हैं जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच कम है। आज 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट पूरे प्रदेश के लिए समर्पित कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूर्ण करेगा। मंत्री श्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने इस पुनीत कार्य में छत्तीसगढ़ को सहभागी बनकर योगदान देने का अवसर प्रदान किया।

स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की। इसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को सीधे बसाहटों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में मरीज को इन यूनिट के माध्यम से निकट स्वास्थ्य केंद्रों में पहुँचाना आसान होगा। प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, नर्स, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और स्थानीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं। ये यूनिटें हर 15 दिन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेंगी, जिनमें 25 से अधिक प्रकार की जाँच और रोगों का उपचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले को दिए 31.9 करोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। नववर्ष की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले जिलेवासियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की आवागमन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 10 महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन हेतु कुल 31.91 करोड़ की बड़ी राशि स्वीकृत की है।

वर्षों से लंबित ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने पर क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है और उन्होंने मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार जताया है।

स्वीकृत सड़कों में जिले के मुड़ापारा के एनएच-43 रोड से चर्चपारा होते हुए सुकबासुपारा तक 2 करोड़ 47 लाख 97 हजार रुपए, ग्राम पंचायत कछार से सरपंच बस्ती चौक पक्की सड़क से तिरसोठ तक 3 करोड़ 41 लाख रुपए, कांसाबेल के डांडपानी से खूटेरा पहुंच मार्ग के लिए 4 करोड़ 52 लाख रुपए, पाले पखना से जुनवाईन पहुंच मार्ग के लिए 4 करोड़ 68 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है इसी तरह कांसाबेल के सेमरकछार भट्ठीटोली से लपई पहुंच मार्ग के लिए 2 करोड़ 69 लाख रुपए, ग्राम पंचायत करंबेबरा से पखनापारा माड़ो गुफा तक पहुंच मार्ग के लिए 1 करोड़ 88 लाख रुपए, ग्राम पंचायत घरजियाबथान के ठाकुर मुड़ा से रघुनाथपुर जोड़ा तालाब मार्ग के लिए 2 करोड़ 61 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पाकरगांव से तुरवाआमा होते हुए चौराआमा पहुंच मार्ग के लिए 2 करोड़ 61 लाख रुपए, ग्राम पंचायत भगरपुर से भगोरा पहुंच मार्ग के लिए 4 करोड़ 60 लाख रुपए तथा अटल चौक से पंडरीपानी होते हुए तिलंगा पहुंच मार्ग के लिए 2 करोड़ 43 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा।

सहायक शिक्षक भर्ती-2023 पर लगा विधिवत विराम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सहायक शिक्षक पदों पर सीधी भर्ती 2023 के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के आदेशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिसम्मत ढंग से संपन्न की गई है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सहायक शिक्षक के कुल 6285 पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिनांक 04 मई 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षा का परिणाम 01 जुलाई 2023 को घोषित किया गया, जिसकी वैधता अवधि एक वर्ष निर्धारित थी। विज्ञापन एवं परीक्षा परिणाम जारी होने के समय बी.एड. अर्हताधारी अभ्यर्थियों को सहायक शिक्षक पद से पृथक रखने संबंधी कोई न्यायालयीन निर्देश प्रभावी नहीं था।

सीधी भर्ती 2023 के अंतर्गत सहायक शिक्षक पद हेतु चयन प्रक्रिया के प्रथम चार चरणों में कटऑफ रैंक में सम्मिलित अभ्यर्थियों की सूचियां विभागीय वेबसाइट पर क्रमशः 08 सितंबर 2023, 21 सितंबर 2023, 30 जनवरी 2024 तथा 04 मार्च 2024 को जारी की गईं। इन चार चरणों में कुल 5301 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की गई, जिनमें 2621 अभ्यर्थी बी.एड. अर्हताधारी थे।

उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ में दायर याचिका क्रमांक 5788/2023 में पारित आदेश 02 अप्रैल 2024 के माध्यम से बी.एड. अर्हताधारी अभ्यर्थियों को सहायक शिक्षक पद हेतु अपात्र घोषित किया गया। उक्त आदेश के पश्चात विभाग द्वारा आगामी चरणों की भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई तथा सीधी भर्ती 2023 के परीक्षा परिणामों की मूल वैधता अवधि 01 जुलाई 2024 को समाप्त हो गई।

उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश क्रमांक एफ 2-13/2025/20-तीन दिनांक 24 फरवरी 2025 जारी कर सहायक शिक्षक पद के 2621 पदों पर जारी चयन सूची की वैधता अवधि 01 जुलाई 2025 तक बढ़ाई गई। उक्त आदेश के अनुपालन में विभाग द्वारा मार्च-अप्रैल 2025 के दौरान भर्ती प्रक्रिया का पांचवां चरण संपन्न किया गया। इस चरण में सेवा से हटाए गए 2621 बी.एड. अर्हताधारी अभ्यर्थियों के स्थान पर 2615 डी.एड. अर्हताधारी अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर सम्मिलित किया गया तथा सभी प्रमुख वर्गों में कटऑफ रैंक को पर्याप्त रूप से नीचे तक लाया गया।

पांचवें चरण में सम्मिलित 2615 अभ्यर्थियों में से 1316 अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन में अनुपस्थित रहे अथवा अपात्र पाए गए। शेष 1299 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। इस प्रकार विभाग द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश का पूर्ण पालन कर लिया गया है।

घायल मवेशियों तक तत्काल पहुंचेगी चिकित्सा सेवा

घायल मवेशियों को अस्पताल पहुंचाने तथा वापस घर पहुंचाने की होगी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पशु संरक्षण और संवेदनशील सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पशु रेस्क्यु वाहन का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया। 13 लाख 60 हजार रूपए का यह वाहन विजय शर्मा द्वारा विधायक मद से प्रदान किया गया है।

लोकार्पण के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से वाहन की तकनीकी विशेषताओं, उपयोगिता और संचालन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मौके पर ही वाहन का परीक्षण कराते हुए घायल पशुओं को सुरक्षित रूप से वाहन में लाने एवं ले जाने की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस आधुनिक पशु रेस्क्यु वाहन के माध्यम से सड़क दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से घायल पशुओं को त्वरित रूप से घटनास्थल से पशु चिकित्सालय तक पहुंचाया जा सकेगा। उपचार के उपरांत पशुओं को सुरक्षित रूप से गौशाला अथवा पशु शेल्टर तक ले जाने की भी समुचित व्यवस्था वाहन में उपलब्ध है। इससे घायल एवं असहाय पशुओं को समय पर उपचार मिल सकेगा और उनकी जान बचाने में प्रभावी सहायता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पशु रेस्क्यु वाहन जैसी सुविधाएं न केवल पशुओं के जीवन की रक्षा करेंगी, बल्कि आम नागरिकों और पशुपालकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वाहन का नियमित, समुचित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा निगरानी और रख-रखाव सुनिश्चित हो।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. वीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, विजयलक्ष्मी तिवारी, सतविंदर पाहुजा, समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि तथा पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बेहतर बाजार के लिए अब पूरा फोकस डिजाइनिंग सुधारने पर

'जशक्राफ्ट' से संवर रहा जशपुर का कालीन उद्योग, बढ़ी सुन्दरता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक हस्तशिल्प को नई पहचान और व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले में "जशक्राफ्ट" ब्रांड के अंतर्गत कालीन शिल्प को सशक्त बनाने हेतु डिजाइन एवं गुणवत्ता उन्नयन पर केंद्रित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

विकास आयुक्त हस्तशिल्प, भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली की ष्ठ्रछछरू परियोजना के तहत 'डिजाइन एंड डेवलपमेंट वर्कशॉप ऑन कारपेट क्राफ्ट' का आयोजन जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बालाछापर स्थित रीपा परिसर में किया जा रहा है। यह तीन माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 दिसंबर 2025 से 18 मार्च 2026 तक संचालित होगा।

कार्यशाला का आयोजन छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा जिला प्रशासन जशपुर एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य कालीन शिल्प से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं कारीगरों को आधुनिक डिजाइनिंग, तकनीकी दक्षता और उत्पाद विकास की उन्नत जानकारी प्रदान करना है, जिससे वे स्थायी आजीविका से जुड़ सकें।

जशक्राफ्ट ब्रांड के माध्यम से जिले में कालीन, छिंद-कांसा, बांस एवं काष्ठ शिल्प जैसे पारंपरिक उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय कारीगरों को न केवल तकनीकी मजबूती मिल रही है, बल्कि उनके उत्पादों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बाजार से जोड़ने का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेंद्र राजवाड़े ने बताया कि प्रशिक्षण में शामिल 30 महिलाओं को प्रति दिवस 300 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, वहीं तैयार उत्पादों के विपणन की जिम्मेदारी बोर्ड द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने बताया कि जशपुर जिले में कालीन उद्योग के साथ-साथ भारत सरकार के सहयोग से काष्ठ हस्तशिल्प का दो माह का प्रशिक्षण मनोरा विकासखंड के अलोरी ग्राम पंचायत में तथा गोदना शिल्प का एक माह का प्रशिक्षण दुलदुला विकासखंड में भी आयोजित किया जा रहा है।

बालाछापर में प्रशिक्षण

बालाछापर में संचालित कालीन प्रशिक्षण में दिल्ली से आई डिजाइनिंग विशेषज्ञ सुश्री कौशिकी सौम्या एवं स्थानीय प्रशिक्षक चिंतामणि भगत (अंबिकापुर) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सरगुजा ओलंपिक : आदिवासी अंचल की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक 2025 का आयोजन किया जायेगा। सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। यहां की खेल प्रतिभा को पहचानकर, खिलाड़ी के रूप में तैयार करने हेतु सरगुजा ओलम्पिक 2025 आयोजन किया जाना है। प्रतिभागियों से पंजीयन हेतु आवेदन आमंत्रित है।

पंजीयन प्रक्रिया 28 दिसंबर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक किया जायेगा। पंजीयन ऑनलाइन गूगल फॉर्म से या ऑफलाइन किया जा सकेगा। सूरजपुर जिले के विकासखण्ड स्तर में होने वाले खेलों की विवरणात्मक इस प्रकार है-तीरंदाजी (इंडियन राउंड 30 मी. 50 मी.) कबड्डी, बैडमिंटन, फुटबॉल, एथलेटिक्स - (100मी., 200मी., 400 मी., लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 4.100 मी. रिले रेस) हॉकी, कुश्ती, खो-खो, वालीबॉल, बास्केटबॉल कराते - (जूनियर वर्ग बालक (14 से 15 आयु वर्ग) 42 केजी. - 47 केजी. जूनियर वर्ग बालक (16 से 17 आयु वर्ग) 55 केजी. 61 केजी. जूनियर वर्ग बालिका (14 से 15 आयु वर्ग) 42 केजी. - 47 केजी. जूनियर वर्ग बालिका (16 से 17 आयु वर्ग) 53 केजी. - सीनि. पुरुष वर्ग वेट ग्रुप 60 केजी. - 67 केजी., सीनि. महिला वर्ग वेट ग्रुप में 55 केजी. - 61), रस्साकशी प्रदर्शनात्मक केवल महिला, जूनियर वर्ग बालक 03 वेट ग्रुप 57 केजी.,74 केजी. सीनियर वर्ग को लिए जूनियर वर्ग बालिका 03 वेट ग्रुप 55 केजी., 62 केजी., 68 केजी. सीनि. पुरुष वर्ग 03 वेट ग्रुप 57 केजी., 65 केजी., 74 केजी. सीनि महिला वर्ग 03 वेट ग्रुप में 55 केजी. 62 केजी. 68 केजी. कुश्ती एवं हॉकी खेल विधा सीधी जिला स्तर से संभाग स्तर पर दल की भागीदारी होगी। प्रतियोगिता दो आयु वर्गों 14 से 17 वर्ष एवं सीनियर वर्ग के लिए आयु बंधन नहीं है। खिलाड़ी को प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु पंजीयन फॉर्म भरना अनिवार्य है। आयोजन में भाग लेने अथवा किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु खिलाड़ी कार्यालयीन दिवस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय अथवा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं बलवीर सिंह के मोबाईल नंबर 8319330487 में संपर्क कर सकते है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950